डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 39 मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 08

शिखर दृष्टि जीवन की...

साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

जयपुर >> सोमवार 29 मार्च से गुरूवार 7 अप्रैल, 2022 तक

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

यूनेस्को की टीम को हिलव्यू समाचार ने सौंपी अवैध निर्माणों के चलते परकोटे चारदिवारी की खोती पहचान की रिपोर्ट

यूनेस्को टीम सदस्य रिटायर्ड प्रोफेसर मिंजा यंग के साथ हिलव्यू समाचार संपादक शालिनी श्रीवास्तव परकोटे में हो रहे अवैध निर्माणों के चलते विश्व धरोहरों की खोती जा रही पहचान की रिपोर्टिंग करते हुए।

जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) सहित अन्य अवैध निर्माणों की सूचनाएँ व सूची यूनेस्को की टीम से साझा की। इस संबंध में प्रकाशित हिलव्यू समाचार की प्रतियाँ भी सौंपी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। यूनेस्को के टीम के सदस्य रिटायर्ड प्रोफेसर मिंजा यंग, मिशेल जुई हॉन एवं मिस्टर पॉल से त्रिपोलिया महाराजा लाइब्रेरी में हिलव्यू समाचार संपादक शालिनी श्रीवास्तव ने मुलाक़ात कर विश्व धरोहर चार दिवारी परकोटे में हो रहे अवैध निर्माण पर चर्चा की व जयपुर कॉलेज सहित अन्य अवैध निर्माणों की रिपोर्ट व हिलव्यू समाचार की इस संबंध में दिसम्बर 2020 से अब तक निरन्तर प्रकाशित की गई प्रतियाँ सौंपी। इन समाचार पत्रों में साफ अंकित है कि यह सभी अवैध निर्माण की सूचनाएं समय-समय पर प्रकाशित कर शासन-प्रशासन को चेताया गया है। यूनेस्को टीम को रिपोर्ट करते हुए संपादक शालिनी श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि इन अवैध निर्माणों से लगातार ऐतिहासिक धरोहरों की शक़्ल बदलती जा रही है।

ज्ञात रहे कि जिस पारम्परिक कला, संस्कृति व कारीगरी के लिए जुलाई 2019 में यूनेस्को ने परकोटा क्षेत्र चार दिवारी को विश्व धरोहर के दर्जे से नवाज़ा था वह धीरे-धीरे इन अवैध निर्माणों के चलते हवेलियों,ऐतिहासिक धरोहरों को ज़मींदोज़ करता जा रहा है।

टीम को इस सम्बंध में भी सूचित किया गया कि इस संबंध में हिलव्यू समाचार द्वारा लगातार स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल, नगर निगम हेरिटेज जयपुर आयुक्त अवधेश मीणा, मेयर मुनेश गुर्ज़र से संपर्क कर सूचित भी किया जा चुका है किंतु शासन और प्रशासन दोनों की मूक सहमति या लापरवाही ही इन अवैध निर्माणों को लगातार बल दे रही है। राजस्थान का दुर्भाग्य होगा यदि यह विश्व विरासत का दर्ज़ा इन अवैध निर्माणों के चलते छीन लिया गया। टीम के आगमन से पूर्व रंग-रोगन साफ-सफ़ाई करवाकर निगम जो दिखावा कर रहा है वह इस टीम की निग़ाहों से छुपा हुआ नहीं है। अब भी वक़्त है कि सरकार अपनी आँखें और हाथ दोनों खोले और इस विश्व धरोहर दर्ज़े को खारिज़ होने से बचा ले।

जयपुर कॉलेज नाना जी हवेली का बदलता रूप (अवैध निर्माण) मार्च 2022

जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) का विश्व विरासतीय स्वरूप 2020

ख़बर-बेख़बर

यूनेस्को टीम के 9 दिसवीय विश्व विरासत निरीक्षण भ्रमण में नदारद नगर निगम हेरिटेज जयपुर के आयुक्त व मेयर

शांति धारीवाल
स्वायत्त शासन मंत्री

अवधेश मीणा
आयुक्त, नगर निगम (हेरिटेज) जयपुर

मुनेश गुर्जर
मेयर, नगर निगम (हेरिटेज) जयपुर

नगर निगम हेरिटेज का दुर्भाग्य है कि मुनेश गुर्ज़र जैसी मेयर और आयुक्त अवधेश मीणा जैसे अफसर इसके विकास की राह में पनौती बन गए हैं।

यूनेस्को की टीम 01 अप्रैल से विश्व विरासत दर्ज़ा प्राप्त इलाकों का निरीक्षण कर रही है और तो और कई सारे मुद्दों पर उसने अपनी नाराज़गी व अफ़सोस भी जताया है लेकिन दोनों नदारद हैं इस टीम के बीच।

बुधवार 6 अप्रैल को भी नगर निगम हेरीटेज आयुक्त अवधेश मीणा व मेयर मुनेश गुर्ज़र टीम के साथ भ्रमण में नज़र नहीं आये। आख़िर ऐसा कौनसा आकस्मिक या प्रमुख कार्य सरकार ने या उनके उच्च अधिकारियों ने उन्हें सौंप दिया कि जयपुर राजस्थान को विश्व विरासत का गौरवशाली क्षण देने वाली इस यूनेस्को टीम के लिए उनके पास वक़्त नहीं है?

इसे दुस्साहस कहें या कि लापरवाही या कोई और ही ख़ास वजह की टीम के सामने आने से क़तरा रहे हैं ये निगम के दोनों मुख्य प्रतिनिधि। एक निगम प्रशासन का प्रतिनिधित्वकर्ता है और दूसरी शासन का चेहरा बनकर निगम में मेयर की चेयर पर सुशोभित होती हैं।

आख़िर गहलोत सरकार को यह सब दिखाई क्यों नहीं दे रहा। जहाँ एक ओर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भविष्यवक्ता बन आगामी चुनावों में सरकार को फिर से सत्ता में विराजमान होता देख रहे हैं वहीं दूसरी ओर इस तरह के अधिकारी और जन प्रतिनिधि उनके सपनों को चूर-चूर करने का पूरा प्लान बनाकर बैठे हैं। जहाँ एक ओर स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल धन भर-भर कर कोटा को हेरिटेज लुक देने की जद्दोजहद में लगे हैं वहीं दूसरी ओर कभी प्रेस कांफ्रेंस में गम्भीर मुद्दे जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) के अवैध निर्माण को हँसते हुए टाल देते हैं तो कभी विधानसभा में राजस्थान को मर्दों का प्रदेश कहकर रेप केस जैसे संवेदनशील मुद्दे पर ग़लतबयानी करते दिखाई पड़ते हैं।

आख़िर किस दिशा में बह रही है इस सरकार के विकास की नदी कि अब बस यह नदी राजस्थान में सूखने की कग़ार पर है ?

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर के विश्व विरासत परकोटे एरिया सहित अन्य एरिया में 9 दिवसीय प्लान के तहत आयी यूनेस्को टीम का 01 अप्रैल से छठे दिन तक का भ्रमण और उनकी प्रतिक्रिया एक नज़र में...

जयपुर शहर परकोटे की हर वो गली खिल उठी है जहाँ से 1 अप्रैल से आई यूनेस्को की टीम गुज़र रही है। निगम ने आनन-फ़ानन में ही सही इन गलियों की सफाई करवाकर कुछ दिनों के लिए इनका उद्धार कर ही दिया।

मनिहारों का रास्ता हो या दिगम्बर जैन छात्रावास, अजमेरी गेट हो या दरबार स्कूल,नाहर गढ़ फोर्ट हो या अल्बर्ट हॉल या महाराजा लायब्रेरी सड़के,परकोटे के दुकानों के सामने के बरामदे, भ्रमण के लिए चयनित सम्बंधित भवन व हवेलियाँ सब कुछ क्षणों के लिए चमक उठे।

यूनेस्को टीम ने शुक्रवार सुबह से ही जैसे पैरों में स्केटिंग बाँध ली थी कि विश्व विरासत में दर्ज हर एक कोना नाप लेने का जज़्बा दिखाई दिया। भ्रमण की शुरुआत में ही यूनेस्को टीम ने परकोटा क्षेत्र में चौकड़ी मोदीखाना में पैदल घूमकर विश्व विरासत संरक्षण की सच्चाई जांची।

इस दौरान टीम ने हर एक हैरिटेज हवेली की फोटो ली। जयपुर नगर निगम हैरिटेज सेल की टीम से उसकी जानकारी जुटाई। 9 दिन के अपने प्लान में इस टीम ने विश्व विरासत संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों की समीक्षा भी की है और बारीकी से जाँचा परखा भी है। आज पिंकसिटी में यूनेस्को टीम का सातवां दिन है।

यूनेस्को की 2 सदस्यीय टीम ने पहले दिन मनिहारों का रास्ता से दौरा शुरू किया और दिगंबर जैन छात्रावास का जायजा लिया। इसके बाद मनिहारों का रास्ता में गुलाल गोटे व लाख की चूड़ियां बनाते कारीगरों से चर्चा करने हेतु टीम सदस्य ठहरे और संबंधित हस्तकला की जानकारी ली। दुकानदारों ने गुलाल गोटे से होली खेल कर भी दिखाई। इस बीच कुछ स्थानीय लोगों ने स्मार्ट सिटी के तहत हो रहे कामों से सामने आ रही परेशानी को लेकर विरोध भी किया। लोगों ने टीम के सामने ही निगम अफसरों को अपनी समस्याएं भी बताई। जो कि अब तक सुनी अनसुनी की जा रही थीं। स्थानीय लोगों ने टीम के सामने अवैध निर्माण व अतिक्रमणों के चलते आवागमन व यातायात की अवरुद्धता से भी टीम को अवगत करवाया।

यूनेस्को की टीम का मूल उद्देश्य है कि इन मुद्दों पर वह रिपोर्ट तैयार करेगी

- चारदीवारी क्षेत्र में बिल्डिंग परमिशन और अतिक्रमणों व अवैध निर्माणों की जानकारी।
- शहर के कॉलेज व संस्थाओं के साथ भागीदारी और उनसे जुड़े लोगों से चर्चा।
- जयपुर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की जानकारी।
- जयपुर के सामुदायिक संस्थाओं, व्यापार मंडलों की भूमिका और सहयोग की जानकारी।
- पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ इस क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी।
- सोलिड वेस्ट मैनेजमेंट की जानकारी
- शहर भ्रमण करने के साथ प्रदेशभर के विरासत संरक्षण और पर्यटन की जानकारी।

विश्व विरासत परकोटा के निरीक्षण के दौरान यूनेस्को टीम के सदस्यों ने अवैध निर्माण,अतिक्रमण और नए निर्माणों को लेकर नाराज़गी प्रकट की। टीम ने शहर के प्रमुख स्थानों का दौरा किया। अजमेरी गेट के बाहर किया गया सौंदर्यीकरण यूनेस्को टीम को पसंद नहीं आया। यहाँ लगीं मूर्तियों पर नाराजगी भी जताई।

दरबार स्कूल में स्मार्ट सिटी की ओर से करवाए जा रहे निर्माण कार्य से भी टीम के सदस्य खुश नहीं दिखे क्योंकि यहाँ पुरानी दीवार को क्षतिग्रस्त किया गया है।

सोमवार 04 अप्रैल को टीम में यूनेस्को, एशिया डिवीजन की कल्चरल हैड जुई हॉन भी जुड़ गईं। उन्होंने परकोटा के स्पेशल एरिया डपलपमेंट प्लान–2014 का डिजीटली लोकार्पण किया। इससे पहले मिंजा यंग और मिस्टर पॉल ने परकोटा, नाहरगढ़ फोर्ट और अल्बर्ट हॉल पर जाकर शहर को देखा। 6 अप्रैल को टीम ने महाराजा लाइब्रेरी सहित आसपास के एरिया का अवलोकन किया।

इसी के साथ टीम ने नाहरगढ़ फोर्ट की दीवारों के मरम्मत के भी निर्देश दिए।

जयपुर नगर निगम ग्रेटर की साधारण सभा दूसरी बार टली

मेयर ने आयुक्त को बैठक बुलाने के लिए कहा, आयुक्त ने 10 दिन की छुट्टी मांग ली

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जयपुर नगर निगम ग्रेटर में महापौर और आयुक्त का विवाद अब भी थमने का नाम नहीं ले रहा। मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर ने पिछले महीने दो बार नोटशीट लिखकर 7 अप्रैल को आयुक्त यज्ञमित्र सिंह को साधारण सभा बुलाने के निर्देश दिए थे। लेकिन आयुक्त ने बैठक बुलाने के बजाए सरकार को पत्र लिखकर स्वास्थ्य कारणों का हवाला 7 अप्रैल से 17 अप्रैल यानी 10 दिन के छुट्टी मांग ली। आयुक्त के इस कदम के बाद नगर निगम ग्रेटर में पिछले एक महीने में दूसरी बार साधारण सभा की बैठक टल गई। फरवरी में मेयर की कुर्सी दोबारा संभालने के बाद मेयर सौम्या गुर्जर ने 14 मार्च को साधारण सभा की बैठक बुलाने के लिए आयुक्त को 3 मार्च को नोटशीट लिखी। लेकिन तब विधानसभा सत्र चलने के कारण तीन कांग्रेसी विधायकों ने बैठक बुलाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद मेयर ने दोबारा 23 मार्च को नोटशीट लिखकर आयुक्त को 7 अप्रैल को साधारण सभा बुलाने के निर्देश दिए। इस बैठक के लिए मेयर की तरफ से कुछ एजेण्डा भी भेजे गए, लेकिन आयुक्त ने न जेण्डा तैयार करके पार्षदों को 7 दिन पहले भिजवाया और न ही साधारण सभा बुलाई। इस कारण 7 अप्रैल की बैठक भी फिर से टल गई। सूत्रों की माने तो साधारण सभा की बैठक में हंगामा होने के डर से आयुक्त ने बैठक कॉल नहीं की। मेयर सौम्या गुर्जर ने जब 2 फरवरी को दोबारा महापौर की कुर्सी संभाली थी उसके अगले दिन आयुक्त ने गृह विभाग को एक पत्र लिखकर खुद के सुरक्षा मांगी थी। उन्होंने गृहविभाग के एसीएस को लिखे पत्र में आशंका जताई थी कि उनके घर से ऑफिस आने-जाने या ऑफिस में रहने के दौरान कोई अप्रिय घटना हो सकती है।

जिसका काम उसी को साजे और करे तो घण्टा बाजे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। इस्लाम ख़ान आरपीएस अधिकारी हैं जो कि अभी हेरिटेज नगर निगम जयपुर में उपायुक्त पशु नियंत्रण शाखा हेरीटेज पद पर विराजमान है आरपीएस अधिकारी होने के नाते जिनका काम विजलेंस कैडर का होना चाहिए वो इस पद पर विराजमान हैं तो यही परिणाम होंगे कि यूडीएच सेक्रेटरी के आदेश हवा में ही झूलेंगे। यह मैटर उसी तरह से है कि हृदय के डॉक्टर को किडनी का ऑपरेशन करने को दे दिया जाए तो परिणाम तो दुष्परिणाम में बदलेंगे ही। इसी के साथ अगर हम बात करें कि पत्र क्रमांक एफ-6( ) कार्मिक/सा. प्र./ जननि (है)/ 2022/2742 दिनाँक 4.2.2022 के तहत स्थानांतरित सूची में इस्लाम ख़ान को पूर्व आवंटित कार्य के साथ उपायुक्त पशु प्रबन्धन शाखा का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया तो बड़ी ही असमंजस की स्थिति बनती है इन ज़िम्मेदारियों के बीच, क्योंकि हंसा मीणा उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम हेरिटेज की रीट पिटीशन संख्या 0373/2022 की गुहार के आधार पर राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण ,जयपुर के 28.02.2022 को स्थगन आदेश जारी किए गए जिसमें कोर्ट ने माना कि आलोच्य स्थानांतरण आदेश दिनाँक 4.2.2022 (अनुलग्नक-1) शिकायत पर किया जाना तथा राज्य सरकार के द्वारा स्थानांतरण पर रोक के दौरान जारी किया जाना प्रथम दृष्टया प्रकट है। अतः यूँ तो यह सम्पूर्ण स्थानांतरण आदेश ही स्थगन योग्य की श्रेणी में आता है।

इस्लाम ख़ान के नगर निगम हेरिटेज के पूर्व पद सतर्कता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नगर निगम हेरिटेज के रिक्त पद पर 30.01.2022 को राजस्थान सरकार के आदेश क्रमांक प.8(1) गृह-1/2021 के आधार पर सीरियल नंबर 41 पर अंकित नीलकमल मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, महिला अपराध अनुसंधान सैल झुंझुनूं ग्रामीण से आ विराजे हैं।आंकलन करें तो ज्ञात होगा कि लम्बे समय से नगर निगम हेरिटेज युद्ध का मैदान बन हुआ है। हर अधिकारी, कर्मचारी, आयुक्त,उपायुक्त अपने-अपने मैदान में यौद्धा बन डटकर खड़े हो गए हैं। कोई हक़ के लिए लड़ रहा है तो कोई नाहक़ ही लड़ रहा है। किसी का अहम ऊँचा है किसी का वहम। नगर निगम हेरिटेज,जयपुर के हालात दिन-ब-दिन बदतर होते जा रहे हैं।

इस्लाम ख़ान, उपायुक्त पशु नियन्त्रण शाखा,नगर निगम हेरीटेज, जयपुर

प्रश्न : आरपीएस अधिकारी होने के नाते आपको पशु प्रबंधन उपायुक्त के पद पर लगाया गया है इस बारे में आपकी टिप्पणी। क्योंकि यूडीएच सेक्रेटरी ने आपको परकोटे में पशुओं के अव्यवस्था के लिए ज़िम्मेदार ठहराया है?

उत्तरः मैं कोर्ट में हूँ। ज़्यादा अर्जेंट बात है तो मैं यही कहूँगा कि मुझे जो पद दिया गया है मैं उसी पद का कार्यभार संभाल रहा हूँ। मुझे इसके अलावा कोई जानकारी नहीं।

उपायुक्त,पशु नियंत्रण शाखा, नगर निगम हेरीटेज,जयपुर

नगर निगम हेरीटेज,जयपुर आयुक्त अवधेश मीणा ने राजस्थान के प्रतिष्ठित समाचार पत्र दैनिक भास्कर में प्रकाशित इस ख़बर को झूठा बताया।

पेज़ नंबर 2 पर 7 अप्रैल को ख़बर थी कि---

'अवैध पशु डेयरियों ने बिगाड़ी स्मार्ट सिटी की सूरत, मिलीभगत के खेल में आदेश हवा'

यूडीएच सेक्रेटरी की फटकार के बाद भी नहीं हटी पशु डेयरियां... दावा- रोज 40 पशु पकड़ रहे हैं

अवधेश मीणा,आयुक्त नगर निगम हेरिटेज, जयपुर

प्रश्न : यूडीएच सेक्रेटरी के आदेश की पालना न होनेऔर उनकी कड़ी प्रतिक्रिया पर आपकी टिप्पणी।

उत्तर: यह ख़बर झूठी है। यूडीएच सेक्रेटरी ने कोई फ़टकार नहीं लगाई न ही ये मेरी जानकारी में है। अख़बारों में तो झूठी ख़बर ही छपती हैं। मैं इस बारे में कुछ नहीं जानता।

प्रश्न : आपकी रिट पिटीशन संख्या 0373/2022 के तहत आप 4.2.2022 को हुए स्थानांतरण आदेश पर आप 28.2.2022 को रेट से स्टे लायी हैं उस आधार पर इस्लाम ख़ान पशु नियंत्रण शाखा, नगर निगम हेरीटेज का पद पर बने रहना कहाँ तक उचित है?

उत्तर: कोर्ट ने भी माना है कि इस दौरान जब राजस्थान सरकार ने स्थानांतरण पर रोक लगा रखी है तो ऐसे में स्थानांतरण करना ही वैधानिक नहीं है। आरपीएस अधिकारी का पशु नियंत्रण शाखा उपायुक्त पद पर लगना ही असमंजस की स्थिति पैदा करता है क्योंकि आरपीएस कैडर को विजीलेंस की पोस्ट दी जा सकती है।

हंसा मीणा, उपायुक्त हेरिटेज, किशनपोल जोन

संपादकीय

भारत में असंगठित तौर पर कार्यरत श्रमिकों के लिए आर्थिक सामाजिक सुरक्षा की महत्ता

वृद्धावस्था में सम्मानपूर्ण जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में संसद का एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप सामने आया है। हाल ही में एक स्थायी समिति ने अनुदान मांग 2022-23 पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए ईपीएफओ यानी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की पेंशन योजना के तहत अंशधारकों को एक हजार रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन को कम मानते हुए इसे बढ़ाने के लिए कहा है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब किसी समिति ने इस तरह की बात की हो, इससे पहले भी कई अन्य समितियों ने पेंशन को बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन इस समिति ने कुछ ऐसे प्रयास भी किए हैं जिससे इस प्रस्ताव ने सर्वोच्च स्तर पर सामाजिक सुरक्षा और उसे सुनिश्चित करने में सरकार की भूमिका को एक नई दिशा दी है।

समिति की सिफारिशें क्यों और कितनी महत्वपूर्ण हैं, इसे समझने के लिए हमें तीन पहलुओं को देखना होगा। पहला, सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा और उसकी जरूरत। दूसरा, सरकार की क्षमता और तीसरा भविष्य में भारत के जनसांख्यिक बदलाव। सामान्य शब्दों में समझें तो सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा वह प्रविधान है जो किसी व्यक्ति की बेरोजगारी, बीमारी, दुर्घटना, वृद्धावस्था या कोई ऐसा प्रसंग जिसमें उसके सामने कोई असाधारण खर्च आ जाए, उस दशा में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। भारत के लिए सामाजिक सुरक्षा और विशेष तौर पर वृद्धावस्था से जुड़ी पेंशन का प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि आने वाले दशकों में हमारी औसत आयु बढ़ेगी। इस कारण से पेंशन पर निर्भर आबादी और उसका बोझ दोनों बढ़ेंगे।

इस संबंध में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में ईपीएफओ की कर्मचारी पेंशन योजना-1995 के अंतर्गत

न्यूनतम मासिक पेंशन को एक हजार रुपये किया गया था, जो न केवल अपर्याप्त प्रतीत हो रहा है, बल्कि रंगराजन समिति की शहरी गरीबी रेखा से नीचे भी है। यही कारण है कि कई श्रमिक संगठनों ने उस समय भी इसे बढ़ाने की मांग की थी। अब जब पिछले आठ वर्षों में महंगाई और बढ़ी है तो ऐसे में यह राशि और भी कम प्रतीत हो रही है।

पेंशन का प्रश्न ईपीएफओ तक ही सीमित नहीं है। भारत में करीब 80 प्रतिशत से ज्यादा श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं। यह वर्ग किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित है। ऐसा नहीं है कि इस वर्ग के लिए योजनाएं नहीं बनाई गईं, परंतु भारत में ज्यादातर सामाजिक सुरक्षा कानून और योजनाएं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तक पहुंचने में विफल रहीं।

असंगठित क्षेत्र उद्यम के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीईयूएस) की 2006 की रिपोर्ट, %असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा' के बाद विभिन्न संगठनों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक समूहों के द्वारा अभियान चलाने के बाद वर्ष 2008 में असंगठित क्षेत्र श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 देश में लागू हुआ। मगर इससे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से जोडऩे में कारगर सफलता नहीं मिल पाई। पूर्व के अनुभवों से सीख लेते हुए पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने देश में सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। वर्ष 2020 में लाया गया सामाजिक सुरक्षा संहिता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक मत्वपूर्ण कदम है। भविष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई इस संहिता में 'गिग इकोनमी' और इस तरह के विविध प्लेटफार्म से जुड़े श्रमिकों को भी लाभ मिल सके इसलिए उन्हें भी जोड़ा गया है। इस संहिता में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए या तो अंशदान के आधार पर या कुछ मामलों में पूरी तरह से सरकारी वित्त पोषित या कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के अनुसार पूरे कार्यबल की सामाजिक सुरक्षा को विस्तार देने का प्रविधान किया गया है।

कोविड महामारी के बाद पैदा परिस्थिति ने सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता और बढ़ा दी है। असंगठित क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती श्रमिकों का डाटाबेस नहीं होने से जुड़ी थी। अगस्त 2021 में सरकार ई-श्रम पोर्टल लेकर आई जिसके माध्यम से इस कमी को दूर करने का प्रयास शुरू हुआ। वर्तमान में करीब 26 करोड़ से ज्यादा असंगठित श्रमिकों को ई-श्रम कार्ड जारी किया जा चुका है। इसमें पंजीकृत श्रमिकों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा लाभों के दायरे में लाने का प्रयास किया जा रहा है।

इसी दिशा में बढ़ते हुए हाल ही में श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत 'डोनेट ए पेंशन' नामक पहल की शुरुआत की। इस पहल में कोई भी नागरिक अपने कर्मचारी जैसे चालक, घरेलू सहयोगी इत्यादि के पेंशन के प्रीमियम योगदान को दान कर सकते हैं। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना स्वैच्छिक और अंशदायी है जिसमें लाभार्थी 60 वर्ष की आयु तक एक निर्धारित योगदान करता है। केंद्र सरकार भी इसमें योगदान करती है तथा 60 वर्ष की आयु के बाद उसे तीन हजार रुपये की मासिक पेंशन मिलेगी।

वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा को प्रत्येक श्रमिकों तक पहुंचाने के लिए यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकार की ऐसी सभी योजनाओं की जानकारी उन्हें मिले और इससे भविष्य या किसी दुर्घटना की स्थिति में उन्हें क्या लाभ मिलेगा, वह भी उन्हें समझाया जाए। साथ ही वर्तमान की योजनाओं का एक अध्ययन भी करने की जरूरत है जिससे पता लगाया जा सके कि कौन सी योजनाएं सबसे प्रभावी रही हैं, ताकि उनको और सुदृढ़ किया जा सके। वर्तमान में भारत में इस क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं में समाज की भागीदारी उतनी नहीं है। हालांकि 'डोनेट ए पेंशन' ऐसी एक बेहतर पहल है, लेकिन इस दिशा में अभी व्यापक प्रयास करने की जरूरत है, ताकि समाज अपनी भागीदारी को इसमें बढ़ा सके।'

पेंशन का प्रश्न ईपीएफओ तक ही सीमित नहीं है। भारत में करीब 80 प्रतिशत से ज्यादा श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं। यह वर्ग किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित है। ऐसा नहीं है कि इस वर्ग के लिए योजनाएं नहीं बनाई गईं, परंतु भारत में ज्यादातर सामाजिक सुरक्षा कानून और योजनाएं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तक पहुंचने में विफल रहीं।

तय हो प्यार की सीमा

बच्चों की डिमांड पर लगाम

कहते हैं कि अधिक लाड़-प्यार में बच्चे बिगड़ने लगते हैं. चूंकि वर्तमान दौर में परिवारों के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं. इनमें पति-पत्नी दोनों का जॉब में होना, बच्चों का स्मार्टफोन इस्तेमाल करना, बच्चों के लिए समय न निकाल पाना आदि इनमें शामिल हैं. ऐसी स्थितियों में कई बार माता-पिता बच्चों की लगभग हर डिमांड पूरी करने लगते हैं. इससे बच्चों की डिमांड बढ़ती जाती है और वे जिद्दी भी होने लगते हैं. ऐसे में कहीं न कहीं इस लाड़-प्यार की एक सीमा तय होना जरूरी है.

रोल मॉडल होते हैं पैरेंट्स

माता-पिता, बच्चों के रोल मॉडल होते हैं. उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे उनकी लगभग हर व्यावहारिक एक्टिविटी को फॉलो करते हैं. एकल परिवारों को और अधिक इस दिशा में काम करना चाहिए. लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि संयुक्त परिवार सतर्कता न बरतें, बल्कि बच्चों के सामने समझदारी से पेश आएं.

वास्तविकता से जुदा न रहें बच्चे

बच्चों की डिमांड पूरी करते समय यह ध्यान रखें कि बच्चों में परिवार की आय से लेकर घर की आर्थिक, सामाजिक जैसी वास्तविकता के बारे में खुलकर बात करें. हालांकि यह ध्यान रखें कि उनके सामने बातें प्रेरणादायी तरीके से रखें, ताकि उनके अंदर हीनभावना आ पाए.

ऐसा हो माहौल

परिवार का माहौल शांति व आपसी प्रेम से भरा होना जरूरी है. इसके लिए माता-पिता संयुक्त रूप से प्रयास करें. इससे बच्चों की प्रोडक्टिविटी बेहतर होती है और वे शिक्षा या उनके पसंदीदा क्षेत्र में ज्यादा मेहनत कर पाते हैं.

लिमिट सेट करना

आर्थिक संपन्नता या किसी भी स्थिति में बच्चों की सभी डिमांड पूरी न करें. इससे उनमें जिद्दीपन आता है और वे बिगड़ भी सकते हैं. अत: हर महीने उनके खर्च की लिमिट तय करें और इसके प्रति सख्त रहें. उन्हें सभी जरूरी चीजें तो उपलब्ध करवाएं, लेकिन दूसरों की देखा-देखी में चीजें न दिलवाएं, क्योंकि इससे उनकी डिमांड बढ़ती ही चली जाएगी. इसके बजाय उन्हें उनके लक्ष्यों के प्रति टार्गेटिव तरीके से मोटिवेट करें.

डांटें नहीं, समझाएं

अपने किसी भी पूर्वाग्रह, गुस्से आदि की वजह से बच्चों को न डांटें. इसके बजाय उनसे प्रेमयुक्त व्यवहार करें और इसी के माध्यम से उनके सामने अपनी बात रखें. यह ध्यान रखें कि आप जैसा व्यवहार बच्चों के सामने करेंगे, वे उसी तरह के व्यवहार को अपनाएंगे भी.

संवाद रखें

बच्चों के साथ एकदम फ्रेंडली तरीके से रहें, लेकिन थोड़ी दूरी भी रखें. उनके साथ अपने दिनभर की एक्टिविटी साझा करें और उनके बारे में जानें. इससे आपसी संवाद स्थापित हो जाएगा और बच्चा खुलकर अपनी बातें स्पष्ट कर पाएगा.

स्वास्थ्य का ध्यान रखें

यह देखें कि बच्चा कहीं किसी मानसिक तनाव, अवसाद आदि से तो नहीं जूझ रहा. ऐसी स्थिति में उसके साथ खड़े रहें और उसे भावनात्मक सपोर्ट करें. जरूरी होने पर इलाज भी दिलवाएं.

आशियाने को बनाएं खिला-खिला...

गर्मी शुरू हो गई है. यही समय है, जब आप अपने घर का लुक स्प्रिंग समर मूड के हिसाब से बदल सकते हैं. अपने आशियाने को खिला-खिला बना सकते हैं. घर के अंदर हरियाली को जोड़कर रंगों के साथ नये-नये प्रयोग करें और अपने घर में छोटे-छोटे बदलाव कर गर्मी का स्वागत कर सकते हैं.

ऑक्सीजन प्लांट को जोड़ें

होम डेकोर का सबसे अहम हिस्सा है हरियाली. ऑक्सीजन प्लांट्स को जरूर अपने घर के बेसिक डेकोर में शामिल करें. आप अपने घर के लिविंग एरिया में साइड टेबल के पास 4 फीट तक का एरिका पाम लगा सकती हैं. यह देखने में भी सुंदर लगेगा. इसके अलावा बेडरूम में खिड़की के पास स्नेक प्लांट रख सकती हैं. साथ ही बालकनी में मनी प्लांट, स्पाइडर प्लांट, बैम्बू पाम आदि लगा सकती हैं. स्पाइडर प्लांट को आप अपने लिविंग एरिया, स्टडी टेबल आदि के पास भी लगा सकती हैं.

एसेसरीज शामिल करें

अगर घर में फूलों वाले पौधे अधिक लगाएं तो हैंगिंग पॉट्स का जरूर प्रयोग करें. आजकल इकोफ्रेंडली चीजों से बने हैंगिंग पॉट्स भी मिलते हैं, जैसे बैम्बू में आप मनीप्लांट लगा सकती हैं. हरियाली के बीच टेराकोटा के एलीमेंट जोड़ सकती हैं. सिरेमिक पॉट्स का उपयोग कर सकती हैं. बालकनी में फाउंटेन और प्लांट का कॉम्बिनेशन कमाल का साबित हो सकता है.

पॉप-अप एलीमेंट

आप न्यूट्रल रंगों जैसे व्हाइट, बेज रंगों से गर्मी का स्वागत करें. इनके साथ आप कुछ पॉप-अप एलीमेंट प्रयोग में ला सकती हैं. सोफे के रंग न्यूट्रल रखें तो कुशन का रंग ब्राइट ले सकती हैं.

पर्दों का चयन जरूरी

इस समय ही आपको पर्दों का चयन कर लेना चाहिए. लिविंग और बेडरूम में शीयर और ड्रेपर पर्दे प्रयोग में लाएं, ताकि जब कमरे में रोशनी की जरूरत हो तो शीयर और जब ब्लैकआउट चाहिए हो तो ड्रेपर उपयोग में लाएं. शीयर में ऑफ वाइट, पिंक, लाइट ब्लू, लेवेंडर लें.

लंबी छुट्टियों में घूमने का मज़ा

रोजाना घर और ऑफिस को मैनेज करते-करते इंसान इतना थक जाता है कि माइंड फ्रेश करने के तमाम तरीके ढूंढता है. सैर-सपाटा अपने माइंड को फ्रेश करने का सबसे बेहतर जरिया है. इसीलिए वर्किंग लोगों को जब कभी भी लांग वैकेशंस मिलती है तो वो घूमने का प्लान बनाते हैं. इससे उनका घूमना भी हो जाता है और उन्हें इसके लिए खासतौर पर कोई छुट्टी भी नहीं लेनी पड़ती. अगर आप भी किसी वैकेशन पर घूमने की प्लानिंग करने के बारे में सोच रहे हैं तो जानिए कुछ ऐसे टिप्स, जो इस मामले में आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं.

बजट के हिसाब से डेस्टिनेशन निर्धारित करें

सबसे पहले तो अपना बजट देखें और इसके बाद अपने डेस्टिनेशन को निर्धारित करें. भारत में ऐसी बहुत सारी जगह हैं, जिन्हें आप कम बजट के में भी घूम सकते हैं. आपको पहाड़ पसंद है या समुद्र, अपनी चॉइस के हिसाब से जगह को चुनें. इसके अलावा मौसम के हिसाब से डेस्टिनेशन चुनें ताकि आप वहां जाकर पूरा मजा ले सकें.

पहले से बुक कराएं टिकट

प्लानिंग पहले से करने का एक फायदा ये भी है कि आप अपने ट्रेन या फ्लाइट के टिकट को पहले से बुक करवा सकते हैं. पहले से टिकट बुक करवाने से आपको कन्फर्म सीट भी मिल जाती है और आपके पैसों की भी बचत होती है. आखिरी समय पर टिकट बुकिंग आपको महंगी पड़ेगी. फ्लाइट बुकिंग के लिए ट्रैवल बुकिंग साइट्स को पहले से विजिट कर लें, इस पर आपको डिस्काउंट भी मिल सकते हैं.

अकोमोडेशन

अकोमोडेशन सही और सुरक्षित होना बहुत जरूरी है. इसके लिए आप पहले से ऑनलाइन होटलों की जानकारी ले लें. वहां के रिव्यूज पढ़ लें. अकोमोडेशन आरामदायक होने के साथ घूमने की जगहों से बहुत दूर नहीं होना चाहिए.

लिस्ट करें तैयार

किसी भी जगह पर आप सीमित समय के लिए ही जाते हैं, ऐसे में वहां सब कुछ घूम पाना मुमकिन नहीं होता. इसलिए उस इलाके के बारे में पहले से रिसर्च कर लें और जो जगह आप जरूर देखना चाहते हैं, उन्हें प्राथमिकता पर रखते हुए एक लिस्ट तैयार कर लें. आपके मिलने वाले लोग अगर वहां घूम चुके हैं तो उनसे वहां की जगह, होटल, रेस्त्रां आदि की जानकारी ले लें. इससे आपको काफी सहूलियत मिलेगी.

पूछताछ कर लें

किसी भी स्थान पर घूमने के लिए क्या साधन है, टैक्सी, बस या ट्रेन, इसके बारे में भी पहले से पता कर लें. ट्रैवल ब्लॉग, टूरिस्ट वेबसाइट, या कोई परिचित जो पहले उस स्थान पर घूम चुके हों, उनसे आपको इस बात की जानकारी मिल जाएगी. इससे आपको बजट का अंदाजा भी पहले से लग जाएगा और ज्यादा परेशानी भी नहीं उठानी पड़ेगी.

ट्रेंड में टेम्पल ज्वेलरी

साउथ इंडियन ट्रेडिशनल टेम्पल ज्वेलरी एक बार फिर ट्रेंड में है. देवी-देवताओं और कुछ ट्रेडिशनल सिंबल से सजी ये टेम्पल ज्वेलरी दरअसल साउथ इंडियन कल्चरल हेरिटेज का एक अभिन्न हिस्सा है. परंपरा के मुताबिक, साउथ इंडियन ब्राइड के लिए टेम्पल ज्वेलरी पहनना महत्वपूर्ण होता है. माना जाता है कि दुल्हन अगर इसे अपनी शादी के अवसर पर पहने तो नए जीवन में ईश्वर का विशेष आशीर्वाद मिलता है और शादीशुदा जिंदगी सुखमय बनती है.

ऐसे में अगर आप भी टेम्पल ज्वेलरीज को अपनी साड़ी के साथ स्टाइल करना चाहती हैं तो कुछ आसान से और जरूरी टिप्स को अपनाकर आप खूबसूरती और ग्रेस के साथ इसे कैरी कर सकती हैं.

नेकलेस और चोकर

अगर आप किसी शादी को अटेंड करने वाली हैं तो अपनी खूबसूरत कांजीवरम साड़ी के साथ टेम्पल नेकलेस या चोकर पहन सकती हैं. अगर आप एक बोल्ड स्टाइल चाहती हैं तो लांग नेकलेस या चोकर के साथ लेयरिंग कर सकती हैं.

इयररिंग्स

साड़ी के साथ अगर आप चांदबाली या बेल शेप स्टाइल के इयररिंग्स को कैरी करती हैं तो ये आपके लुक को बहुत ही गौर्जियस बना सकता है. आमतौर पर ये वजनदार इयरिंग होते हैं, लेकिन अगर आप चाहें तो मिनिमल लुक के लिए आप प्लेन और लाइट इयररिंग चुन सकते हैं.

पहनें बैंगल्स

दक्षिण भारत के अलग-अलग प्रांत के कई तरह के टेंपल ज्वेलरी फेमस हैं जिनके डिजाइन में कुछ अंतर पाया जाता है. मसलन, तमिल में वलयाल, तेलुगु में गज्जू और कन्नड़ में बेल जैसी चूड़ियां या कंगन के डिजाइन आप आसानी से खरीद सकते हैं. ये बैंगल्स आमतौर पर भारी होते हैं जो क्लासिक कांजीवरम या सिल्क की साड़ियों के साथ काफी अच्छे लगते हैं.

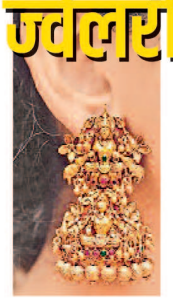

जैसी हेयर स्टाइल वैसे झुमके

अगर आप अपने खुले बालों के साथ टेम्पल इयररिंग्स पहनने की सोच रही हैं तो लंबे झुमके चुनें. आप जूड़े के साथ मीडियम लेंथ के झुमके पहने सकती हैं जो एलिगेंट भी लगेंगे और आपके चेहरे पर हैवी नहीं दिखेंगे.

प्यार आत्मीयता और अपनेपन का दूसरा नाम है घर. लेकिन अगर ये चीजें ही जाने लगें तो वह घर नहीं, केवल मकान बनकर रह जाता है. पूरी दुनिया में घर ही वह जगह होती है जहां हम दिनभर घूमने-फिरने के बाद वापस सुकून के लिए जाते हैं. ऐसे में परिवार के हर सदस्य की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने परिवार की खुशियों के बारे में सोचे. बिजी लाइफ में दिनभर आप काम करते रह जाते हैं और आपके पास समय ही नहीं होता कि आप अपने परिवार के साथ समय बिताएं.

हालांकि, आपको यह हमेशा ध्यान में रखने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी की हर खुशी आपके परिवार के आसपास ही है, इसलिए परिवार को खुश रखने के लिए कुछ बातों को ध्यान में रखें.

खुशियों से भरा रहेगा परिवार

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बीच बनाएं लकीर

अगर आप अपने घर में भी ऑफिस का काम करने में व्यस्त रहते हैं तो यह आपके परिवार के लिए अच्छा नहीं है. अगर आप इन दोनों के बीच लकीर खींचने में कामयाब हो जाते हैं तो आप निजी जीवन के लिए क्वालिटी टाइम निकाल पाएंगे. आप परिवार की जरूरतों पर बात करें और खुलकर सजेशन लें.

प्रशंसा करने में कंजूसी न करें

अगर आपके परिवार का कोई भी सदस्य अच्छा काम करता है तो उसकी प्रशंसा जरूर करें. खासतौर पर अपने बच्चों के अच्छे व्यवहार और आदतों के लिए उनकी प्रशंसा और सराहना करने से चूकें नहीं.

किचन में वक़्त गुजारें

अगर खाना बनाने और परोसने में परिवार मिलजुल कर काम करता है तो आपस में प्रेम बढ़ता है. समय निकालकर किचन में मदद करें. केवल कुकिंग ही नहीं, हर तरह के काम में हाथ बटाएं.

वीकेंड को स्पेशल बनाएं

छुट्टी का दिन यूं ही सोकर बर्बाद न करें. काम निपटाने के अलावा अपने परिवार और बच्चों के साथ कुछ प्लान करें. साथ में कहीं घूमें, खेलें, गार्डनिंग करें.

मौज-मस्ती करें

अगर आपके पास कम वक्त होता है तो परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए समय निकालें. खूब मौज-मस्ती करें और फुर्सत के छोटे से वक्त को भी यादगार और मजेदार बनाएं. साथ में गाना गाएं, डांस करें.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

जयपुर >> सोमवार 29 मार्च से गुरूवार 7 अप्रैल, 2022 तक

नव संवतसर विक्रम संवत 2079, नवरात्रि, रमज़ान एवं विश्व स्वास्थ्य दिवस की सभी सुधि पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएँ

माँ कुष्मांडा

जब सृष्टि का अस्तित्व नहीं था,
चाहूँ और अंधकार पसरा था,
मंद मंद मुस्कान हँसी से,
माँ ने पूरा ब्रह्मांड रचा था,
तब नाम पड़ा था कुष्मांडा।
सूर्य मंडल के भीतर आप विराजे,
आभा कांति सूर्य सम सी साजे,
नहीं तेज इन सा देवों में,
दसों दिशाएं प्रकाशित रहती,
मैया के अतुलित तेज से।
अष्ट भुजा धारी कुष्मांडा,
कमंडल, धनुष, बाण,
कमल कर में,
अमृत कलश, चक्र,
गदा है संग में।
सिद्धियों, निधियों को देने वाली,
जपमाला कर मैं रहती सदा, ।
साधक मन रहे
अनाहत चक्र में,
माँ देती वर आयु,
यश, बल का
सिंह पे सवार दुर्गे,
तार दे भवसागर से हमें ।

सुमित्रा माथुर,
जयपुर

भारतीय नव वर्ष

नव वर्ष की
नव प्रभात से
आज हम संकल्प
पांच उठाएं
हरी-भरी छाया दे
आंगन में महके
ऐसा एक वृक्ष
प्रतिवर्ष लगाएं
घर-घर हो
पंछी को छाया
चहकता रहे घर
ऐसा एक घरौंदा लगाएं
प्रति दिन करें
ईश वंदना
दिन में पाँच बार
हिंदुत्व की हम
कसम खाएं
जल की बूंद बूंद
बचाए रखें
हर जीव को मिले जल
ऐसी राह बनाएं
हैं अहिंसा के
हम पुजारी
किंतु स्वाभिमान हेतु
प्रतिउत्तर देना
सीख आएं ।

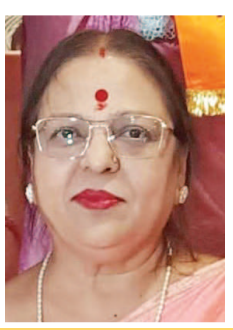

शशि सक्सेना
ज्योतिषाचार्या, जयपुर

राजस्थान की सबसे ऊंची बिल्डिंग में मिलेगा फ्री इलाज, सीएम गहलोत ने रखी आईपीडी टॉवर की आधारशिला

आईपीडी टॉवर बनने के बाद एसएमएस में बैड कैपेसिटी 4 हजार से ज्यादा हो जाएगी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश की सबसे ऊंची बिल्डिंग आईपीडी टॉपर में मरीजों का फ्री में इलाज होगा. इसकी आधारशिला सीएम गहलोत ने मंगलवार को रखी. राजस्थान मेडिफेस्ट के उद्घाटन के मौके पर अत्याधुनिक सेवाओं से युक्त आईपीडी टॉपर का भूमि पूजन हुआ. इस मौके पर यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त और वातानुकुलित बिल्डिंग में लोग चंद समय में हेलिकॉप्टर से आकर भी इलाज करा सकते हैं. उन्होंने कहा कि टावर को बनने में जो समय सीमा तय की गई है उससे पहले इसको बनाकर तैयार किया जाएगा।

इस मौके पर सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान पूरा देश में सबसे बड़ा प्रदेश हो गया है. भौगोलिक दृष्टि से भी. पानी तो एक पर्सेंट ही है यहां पर, परंतु भू-भाग जो है वो प्रदेश का 10 पर्सेंट है. आबादी साढ़े पांच पर्सेंट है. लोग ढाणियों में गांव में रहते हैं तो इतने बड़े प्रदेश के अंदर स्वास्थ्य सेवाओं की टॉप प्रायोरिटी रहनी चाहिए. दूर-दूर से लोग आते हैं. पैसा नहीं होता है.उधार लेकर खर्च करते हैं. इसलिए स्वास्थ्य सेवाओं को हम लोगों ने टॉप प्रायोरिटी पर रखा है. इसलिए आप देख लीजिए कि जो प्रोविजन किया गया है, उसके अंदर मैंने प्रोविजन बजट का देख लीजिए करीब 7.6 पर्सेंट किया है. जबकि ऐवरेज राज्यों में 6 पर्सेंट है. सब तरीके से हम चाहते हैं कि यहां पर एजुकेशन भी अच्छी हो. सीएम गहलोत ने पत्रकारों से बता करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की, निरोगी राजस्थान का कंसेप्ट है वो प्रिवेंशन ऑफ मेडिसिन लेने की जरूरत ही नहीं पड़े. नौबत ही नहीं आए. उसके प्रोटोकॉल को आगे बढ़ाना चाहते हैं. इसलिए हम चाहते हैं कि शिक्षा बचपन से ही मिलने लगे. बच्चों को मेडिकल के संबंध में, जैसे-जैसे आगे बढ़ता जाएगा, पाठ्यक्रम बदलता जाएगा. तो तमाम तरह से कोशिश कर रहे हैं, इसलिए आईपीडी टावर, हेल्थ इंस्टीट्यूट, बायोलॉजी लैब, जो जो इन्वेस्टमेंट कर रहे हैं. हैवी इन्वेस्टमेंट हो रहा है और मैं चाहूंगा कि राजस्थान की जनता साथ दे रही है और हम चाहेंगे गांव तक सब सेंटर, पीएचसी, सीएचसी, डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल्स, सब जगह उनको सुविधा मिले. यह हमारा प्रयास है, उसमें हम कामयाब होंगे।

एजुकेशन में हेल्थ विषय को जोड़ा जाए: केन्द्र और राज्य सरकार एजुकेशन में मेडिकल सब्जेक्ट को अनिवार्य करने पर विचार कर रही है। राज्य में भी प्राइमरी से बच्चों को हेल्थ से जुड़ी तमाम जानकारियां मिले। इसके लिए सिलेबस या सब्जेक्ट में कुछ बदलाव किया जा सकता है। इसके संकेत खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एसएमएस हॉस्पिटल में बनाए जाने वाले आईपीडी ब्लॉक के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए दिए।

गहलोत ने कहा कि केन्द्र सरकार ये विचार कर रही है कि एजुकेशन में हेल्थ विषय को जोड़ा जाए। ताकि बचपन से ही बच्चों में इसको लेकर जागरूकता आए। मैंने खुद एजुकेशन सेक्रेटरी को अपने यहां भी इस पर काम करने के लिए कहा है। ताकि बचपन से ही बच्चों को हेल्थ एजुकेशन मिल सके। राजस्थान में आज हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर देश के सभी राज्यों से बेहतर है। हम जल्द ही विधानसभा में राइट टू हेल्थ का कानून भी लाने वाले हैं। ताकि लोगों को हेल्थ के प्रति सोशल सिक्योरिटी मिल सके।

एसएमएस का लोड कम करने के लिए चार सेटेलाइट हॉस्पिटल

गहलोत ने मंच से घोषणा करते हुए कहा कि इस समय एसएमएस हॉस्पिटल पर मरीजों का दबाव बढ़ता जा रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हमने जिले के चारो बाहरी इलाकों में 4 सैटेलाइट हॉस्पिटल खोलने की योजना बना रहे है। ताकि ग्रामीण अंचल से आने वाले मरीज वहीं इलाज करवाकर लौट जाए। इसके लिए हमने 100 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। कार्यक्रम में आए नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के पॉल ने मंच से सरकार को कई अहम सुझाव दिए। इसमें सबसे मुख्य सिलिकोसिस मरीजों के लिए आईपीडी टॉवर में ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस डिपार्टमेंट खोलने की बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इस बीमारी से बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हो रहे हैं। सरकार ने इस बीमारी के लिए पहले से ही पॉलिसी बना रखी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जितना ज्यादा हम हेल्थ सेक्टर को बढ़ावा देंगे। देश उतना ही मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार और एनएमसी ने मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए कई नियम और शर्तो को कम कर दिया है। ऐसे में सरकार और मेडिकल सेक्टर से जुड़े लोगों का प्रयास रहना चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा मेडिकल कॉलेज खोले।

तीन साल में बनकर तैयार होगी बिल्डिंग

आईपीडी टावर अगले 3 साल में बनकर तैयार होगा। 24 मंजिला इस बिल्डिंग में 1200 बेड्स की कैपेसिटी होगी। इस टॉवर के बनने के बाद एसएमएस हॉस्पिटल में मरीजों के लिए 4 हजार से ज्यादा बैड उपलब्ध रहेंगे। वर्तमान में एसएमएस हॉस्पिटल की मैन बिल्डिंग और सुपर स्पेशलिटी सेंटर की बिल्डिंग में करीब 2850 बैड की कैपेसिटी है। 116 मीटर ऊंचाई में बनने वाले इस आईपीडी ब्लॉक के टॉप फ्लोर पर एक हैलीपेड बनाया जाएगा, जहां से मरीजों को एयरलिफ्ट की सुविधा मिल सकेगी। ये देश का पहला सरकारी हॉस्पिटल होगा जिसकी इतनी ऊंची बिल्डिंग होगी। इस ब्लॉक में 1200 बैड (792 जनरल, 150 कॉटेज, 166 आईसीयू और 92 प्रीमियम रूम) होंगे। इसके अलावा डबल बेसमेंट पार्किंग, मरीज परिजन के लिए दो बड़े वेटिंग हॉल, मेडिकल साइंस गैलेरी, 20 ऑपरेशन थिएटर, फूडकोर्ट के अलावा रेडिया और माइक्रोबायोलॉजी जांच संबंधित एडवांस लैब होगी। इस पूरे प्रोजेक्ट को 2 फेज में पूरा किया जाएगा। एसएमएस हॉस्पिटल में इमरजेंसी के पास इस बिल्डिंग को बनाया जाएगा। 4 मंजिला इस बिल्डिंग में ओपीडी रूम, सिटी स्कैन-एमआरआई लैब, कार्डियक डायग्नोसिस, हिमेटोलोजी, रजिस्ट्रेशन काउंटर, 4 कैथ लैब, 3 ऑपरेशन थिएटर समेत अन्य सुविधाएं विकसित की जाएगी। इसके अलावा सबसे टॉप फ्लोर पर रिसर्च रूम और टीचिंग रूम बनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में हेल्थ मंत्री परसादी लाल मीणा, यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

राजस्थान दिवस पर आवासन मण्डल ने जयपुर चौपाटी पर किये भव्य आयोजन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान दिवस के गौरवशाली इतिहास को भव्यता के साथ आवासन मण्डल ने 30 मार्च को धूमधाम से मनाया। जहाँ एक ओर कालबेलिया, घूमर और कच्छीघोड़ी नृत्य कलाकारों की मनमोहन प्रस्तुति ने समां बाँधा वहीं दूसरी ओर राजस्थानी गानों के बीच थिरकते कलाकारों के कदमों ने आगुंतकों का मन भी मोहा। राजस्थान की पारम्परिक संस्कृति से आगुंतकों का स्वागत किया गया। स्वयं आवासन मण्डल आयुक्त पवन अरोड़ा ने चौपाटी पहुंचकर लोक कलाकारों और आमजन के साथ राजस्थान दिवस को सेलिब्रेट किया। इससे पूर्व आवासन आयुक्त का उप आवासन आयुक्त श्री जे.एस. बुगालिया के नेतृत्व में मंडल टीम ने पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

उल्लेखनीय है कि जयपुर चौपाटी प्रताप नगर और मानसरोवर पर राजस्थान दिवस को ड़ास अंदाज़ में मनाया गया। इस अवसर पर चौपाटियों की सजावट की गई। इसके साथ ही यहां राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा राजस्थानी लोक संगीत और लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। इस अवसर पर लोक कलाकारों के साथ संगीत की सुमधुर धुनों पर बच्चे भी थिरकते नजर आए। इसी के साथ समारोह की श्रृंखला में 2 अप्रैल को वर्ल्ड ऑटिज्म डे पर मंडल की ओर से सामाजिक सरोकार को लेकर एक अनूठी पहल की गई। विश्व ऑटिज्म डे पर विमंदित बच्चों के लिए जयपुर चौपाटी मानसरोवर पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें ऑटिज्म के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए काम करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं को भी शामिल किया गया अरोड़ा ने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में ऑटिज्म बीमारी से पीड़ित बच्चों के द्वारा इस कार्यक्रम में भाग लिया गया। बच्चों द्वारा यहां चलने वाले लाइव बैंड का भरपूर आंनद लिया और कई ने खुद भी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर कई बच्चों ने दिल को छू लेने वाले गाने गाए, किसी ने बांसुरी बजाई और किसी ने बेहतरीन गिटार बजाकर लोगों के दिल को छू लिया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से ऑटिज्म से लड़ने और इस बीमारी से पीड़ित बच्चों में सकारात्मकता का भाव लाने का प्रयास किया गया। इस दौरान ऑटिज्म बीमारी के विशेषज्ञ डॉ. सीताराम द्वारा ऑटिज्म बीमारी के बारे में लोगों को बताया गया। उन्होंने इस बीमारी के सम्बंध में जागरूकता लाने और इसके उपचार के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक कम्प्यूटर श्री अनुज माथुर, आवासीय अभियंता श्री राजेन्द्र गुप्ता, आगुंतक और बड़ी संख्या में ऑटिज्म पीड़ित बच्चों के माता-पिता भी उपस्थित थे।

2 अप्रैल ऑटिज्म डे के सेलिब्रेशन पर बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की झलक

30 मार्च राजस्थान दिवस उत्सव की झलक।

RH राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

बुधवार नीलामी उत्सव

ई-बिड सबमिशन योजना में
जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा और अजमेर में

50% की भारी छूट पर **3694** आवास/फ्लैट्स और उपलब्ध

खण्ड: दशम् जयपुर
द्वारकापुरी अपार्टमेन्ट, प्रताप नगर
LIG फ्लैट्स (1 BHK) — कुल फ्लैट्स: 462
LIG फ्लैट्स (2 BHK) — कुल फ्लैट्स: 92
मात्र 6 लाख रु. से प्रारंभ
RERA No. RAJ/RERA/P/2018/793

खण्ड: दशम् जयपुर
महला आवासीय योजना, अजमेर रोड़, जयपुर
EWS फ्लैट्स (1 BHK) — कुल फ्लैट्स: 45
LIG फ्लैट्स (2 BHK) — कुल फ्लैट्स: 761
MIG-A फ्लैट्स (2 BHK) — कुल फ्लैट्स: 116
मात्र 4 लाख 22 हजार रु. से प्रारंभ
RERA REG. NO. RAJ/RERA/P/2018/785

खण्ड: कोटा
भवानी मण्डी आवासीय योजना, भवानी मण्डी
घरोंदा स्वतंत्र आवास
कुल आवास: 05
मात्र 2 लाख 60 हजार रु. से प्रारंभ

खण्ड: द्वितीय/तृतीय/चतुर्थ, जोधपुर
कुड़ी भगतासनी योजना, (सेक्टर 4 से 15) जोधपुर
EWS (G+3) फ्लैट्स — कुल फ्लैट्स: 1246 — RAJ/P/2018/818
LIG (G+3) फ्लैट्स — कुल फ्लैट्स: 730 — RAJ/P/2019/911
MIG-A (G+3) फ्लैट्स — कुल फ्लैट्स: 163 — RAJ/P/2018/817
MIG-B (G+3) फ्लैट्स — कुल फ्लैट्स: 21
मात्र 6 लाख 25 हजार रु. से प्रारंभ

खण्ड: द्वितीय, उदयपुर
गोविन्द नगर आवासीय योजना राजसमंद
MIG-A (G+3) फ्लैट्स
कुल फ्लैट्स: 26
मात्र 10 लाख 66 हजार रु. से प्रारंभ

खण्ड: अजमेर
गढ़ी थोरियान आवासीय योजना, ब्यावर
MIG-B स्वतंत्र आवास — कुल आवास: 23
HIG स्वतंत्र आवास — कुल आवास: 04
मात्र 24 लाख 76 हजार रु. से प्रारंभ

10% गृह-प्रवेश दीजिए कीजिए
ई-मित्र पर मात्र ₹ 100 देकर ई-बिड सबमिशन में भाग लें
156 आसान मासिक किश्तों में भुगतान
ऑफर सीमित समय के लिए

*उपरोक्त आवास 'जहाँ/जैसी स्थिति में है' आवंटित किये जायेंगे।

ऑनलाइन प्रस्ताव देने की प्रक्रिया के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं 9460254319, शांतनु वार्ष्णेय (9983131666), पवन सोनी (8852000770) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें

Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in

आवासन आयुक्त

राजस्थान संवाद

पिता के नक़्शे क़दम पर चल रहा राज्यवर्धन सिंह राठौड का बेटा मानवादित्य, ISSF सीनियर विश्व कप में जीता ब्रॉन्ज

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के बेटे मानवादित्य राठौड़ ने अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए भविष्य के चैम्पियन बनने के संकेत दिए हैं। हाल ही में पेरू में हुए आईएसएसएफ सीनियर विश्व कप में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारतीय टीम को नेतृत्व करते हुए उन्होंने 70/75 रन बनाए शॉटगन प्रतियोगिता में ब्राजील को शिकस्त दी और पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता ने मानवादित्य राठौड़ को ओपन श्रेणी में 36 की विश्व रैंकिंग भी दी, जिससे वह वर्ष 2022 के लिए विश्व रैंकिंग की ISSF सूची में सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय बन गए।

मधुर स्मृतियाँ

ज़िन्दगी के सफर में गुज़र जाते हैं जो मुकाम वो फिर नहीं आते...

रीटा मक्कड़

यादें बचपन की...

फोन में गाना ऐप में हर दम पुराने गाने सुनते रहने की आदत है मुझे। कुछ देर पहले जब ये गाना बजने लगा तो आंखें बंद करके गाना सुनते सुनते जाने कहाँ खो गयी। गाना तो ख़त्म हो गया लेकिन जो बीत गए वक़्त और बीती हुई यादों को दिमाग मे ताज़ा कर गया उनका क्या। कैसे वक़्त हाथों से रेत की तरह फिसल कर पीछे छूट जाता है और हम आगे निकल जाते हैं।

कितने प्यारे दिन होते हैं न बचपन के। कोई फिक्र नहीं, जिम्मेदारियों के बोझ नहीं, कौन कब क्या कहेगा, कोई परवाह नहीं। सुबह उठ कर मम्मी के हाथ के गर्म गर्म परांठे, चाय के साथ खाओ और तैयार हो कर स्कूल भाग जाओ। तब सोचती थी कि हम स्कूल से आ भी जाते हैं और मम्मी के काम ही ख़त्म नही होते। वो सब बातें अब समझ आती हैं जब अपने सिर पर परिवार की जिम्मेदारी पड़ती है।

जब किसी बात के लिए मम्मी पापा की डांट पड़ती थी तो उनकी हर बात चुपचाप मान तो लेते लेकिन अंदर से कितना गुस्सा आता था तब कि हम पर इतनी सख़्ती क्यों। आज जब बच्चे कोई बात नहीं सुनते तो कितना बुरा लगता है। तब लगता है कि हमारा वक्त कितना अच्छा था न।

मम्मी जब बड़ी सी कढ़ाही में अंगीठी पर गाजर का हलवा बनाती। गाजरें भी हाथ से कद्दूकस करती। सारा दिन लग जाता उसको बनने में। आज भी गाजर का हलवा तो बनता है पर उसमे वो स्वाद नहीं आ पाता।

स्कूल से आते तो मम्मी तो थकी होती तो आराम से सो जाती। क्योंकि तब सारा काम औरतें अपने हाथ से करती थी उस समय जो नींद पंखे के नीचे आती थी वो तो अब ऐ सी में सोने से भी कहाँ आ पाती है।

मम्मी के सोने के बाद दोपहर में पड़ोस से सहेलियों को बुला कर जो गेंद गिट्टे खेलने की महफ़िल लगती और जो मनोरंजन होता उसका मुकाबला तो आज मोबाइल में खेली जाने वाली किसी गेम से नही(नाम नही पता)

गर्मी में सुबह हर रोज मम्मी चाटी की लस्सी बनाती .. उसके जैसा स्वाद किसी ड्रिंक में नही आया। और जो मक्खन निकलता वो तो परांठे के ऊपर रख कर खाने का जो स्वाद आता था वो आज के बर्गर, पिज्जा सबको फेल कर दे।

रोज सुबह दस रुपये की बर्फ ला कर आइस बॉक्स में रख दी जाती और जब भी रूह अफजा या लस्सी पीनी होती उसी में से बर्फ तोड़ के डाली जाती। रात को खूब सारा दूध सोडा बनाया जाता। दूध में लाल बोतल डाल कर उसको छत पर ले जा कर पिया जाता। सबको सर्व करने की ड्यूटी सभी भाई बहनों की बारी बारी से लगती और किसी दूसरे की ड्यूटी शाम को सबके बिस्तर बिछाने की होती थी। संडे वाले दिन मम्मी सबके बाल धो कर फिर शाम को ख़ूब सारा सरसों का तेल लेकर बालों में मालिश करती। उससे बालों में

जो चमक आती वो तो आज किसी कंडीशनर ओर शैम्पू से भी नही आती।

फिर संडे शाम को पापा सभी भाई बहनों को एक ही स्कूटर पर फ़िल्म दिखाने ले कर जाते। फिल्में भी हमे सिर्फ़ देश भक्ति की या फिर धार्मिक ही देखने को मिलती। वापसी में घण्टा घर से ढाबे से जब खाना खा कर वापिस आते तो खुद को दुनिया मे सब से अमीर व्यक्ति समझते। आज किसी बड़ी गाड़ी में बैठ कर, किसी माल में जा कर मूवी देखने, और फिर फाइव स्टार में डिनर करना शायद उतना मजेदार नही होता होगा जितना तब होता था।

गर्मी में पापा शाम को जब घर आते तो ख़ूब सारे आम खरबूजे तरबूज ले कर आते। जब सब बच्चे सोए होते तो पापा एक बड़ी परात में तरबूज काट कर उसके ऊपर बर्फ लगा देते। जब सब शाम को सो कर उठते तो एक साथ जमीन पर गोल चक्कर मे बैठ कर वो ठंडा तरबूज खाते। तरबूज और खरबूजे तो आज भी खाते हैं लेकिन न तो पापा रहे और न ही अपने हाथ से काट कर अकेले बैठ कर खाने में कभी वो स्वाद आया।

यादों के भंवर में डूबती रही और आंखों से नीर बहता रहा। समय का पता ही नही चला। इतने में बाहर की घण्टी बजी तो वापिस आयी उन खट्टी मीठी यादों के पिटारे से। सच में कितने कम समय मे कितने ही वर्ष एक साथ दोबारा जी लिए उसने बन्द आंखों से।

दिवगंत डॉ. अर्चना शर्मा को समर्पित

श्रद्धांजलि

बेटी मेरे देश की...

> सुलग रहा है बदन मेरा, उस आग में,
> जिसमें जल रही थी इक बेटी..
> बेटा पाने की चाह में।
> चिल्ला चिल्ला कर,जान गवाँ कर,
> थकी हारी, क़िस्मत की मारी,
> हो कर बेदम, हार गई बेचारी।
> बेटे की चाह में,
> सो गई चिर निद्रा में,
> लाश अपनी बिछा कर।
> एक बेटी मेरे देश की...।
>
> दूसरे ही दिन....
> एक बेटी जो उसे बचाने में जुटी थी,
> अपनी क़ाबलियत पर भरोसा कर चुकी थी।
> डर ...तनाव....अवसाद,
> अंदर ही अंदर ...घुलता जा रहा था।
> बेताब मन, ख़ुद से ख़ुद ही लड़ रहा था।
> उसकी हर क़ोशिश नाक़ामयाब हुई थी,
> वो डॉक्टर थी..भगवान नहीं थी।
> हो कर निराश, सुन कर लोगों की बात,
> जो बैठे ऊँचे ऊँचे आसन पर...
> घृणा हो रही ऐसे प्रशासन पर।
> हो कर अपनी ज़िंदगी से दुखी,
> झूल गई फंदे पर, करने को ख़ुदकुशी।
> जब कभी ऐसी घटना घटेगी
> जब कोई बेटी..यूँ मर मिटेगी,
> प्रशासन कारण ढूँढता रहेगा?
> या दमदार लोगों की बातें सुनता रहेगा?
> दुनिया में बहुत कुछ ग़लत हो रहा है,
> जिसे पढ़ सुन ख़ून खोल रहा है।
> इतना दर्द,....इतनी पीड़ा,
> परिवार दर्द के, साये में जी रहा।
> बच्चों की सिसकियाँ, चीत्कार माँ की,
> पति की बेबसी...दिखती कहाँ थी।
> आकाश रोएगा,...धरती फटेगी,
> क़लम इस पीड़ा को कैसे लिखेगी?
> देह कांपेगी ..रूह सिसकेगी,
> जब बेटी मेरे देश की, यूँ मर मिटेगी?
>
> हम भी तो गुनाहगार हैं..जो देख सुन रहे हैं।
> कहाँ गई नैतिकता? हम क्या कर रहे हैं?
> लोग सत्ता का सुख भोग रहे हैं,
> बेटियों की चिता पर,
> राजनीति की रोटियाँ सिक रही
> दे शाब्दिक आश्वासन?
> कोई ऐसा क़ानून बनाओ,
> जो बदल दे मानसिकता।
> ज़िम्मेदारी है जिसकी उसका,
> ख़ून क्यों नहीं पिघलता?
> नहीं दिख रही इन बेटियों में उन्हें
> अपनी बेटी की देह?
> कैसे आँख मिलाएँगे घर जाकर,
> अपनी बेटियों से ये?
> जब जब ऐसी घटना घटेगी,
> तब क्या सिर्फ़..मोमबत्तियाँ बिकेंगी?
> कोई ऐसा क़ानून बनाओ जो..
> बदल दे मानसिकता, सामाजिक परिवेश की,
> फिर कर सके ख़ुद पर विश्वास,
> जी सके खुल कर, बेटी मेरे देश की।

■ कमलेश शर्मा

काव्य कोना

प्रेम का अतिरेक

प्रेम का अतिरेक,
जीवन भर सालता है।
बनता प्रगति में रोड़ा,
अज्ञात भय पालता है।।
मात पिता का लाड़,
संतान के लिए बाधा।
दैहिक विकास दे पूरा,
सकल उन्नति आधा।।
बच्चा मन से, पंगु हो जाता,
रहे अधिक जब गोद में।
दुनिया के फेर, समझ न पाता,
अधिक रखो ग़र मोद में।।
प्रियतम प्रेम करे जो ज्यादा,
ध्यान समय का, न रह पाता।
काम ज़रूरी छूटते सारे,
लक्ष्य पानी में, है बह जाता।।
गुरू शिष्य से, यदि रखेगा,
आशा से अधिक लगाव।
सोना कुंदन बनेगा कैसे?
अग्नि से मिले न ताव।
प्रेम करो पर उतना ही,
जीवन बगिया जो सींचे।
उद्देश्यपरक सन्मार्ग दिखाए,
गतिमान पैर न खींचे।।

तुषार शर्मा 'नादान'
गरियाबंद, छत्तीसगढ़

मानवीय चेतना में आध्यात्मिक चेतना का विकास किस प्रकार किया जा सकता है?

दोस्तों, जीवन के प्रारम्भ से ही मानवीय चेतना में आध्यात्मिकता का अंश विद्यमान रहा है। इस आध्यात्मिक चेतना का रूप प्रत्यक्ष या परोक्ष कुछ भी रहा हो। आदिम समय में यह आध्यत्मिकता प्रकृति से जुड़ी थी। यदि कहा जाए तो प्रकृति मानव के लिए हर रूप में रहस्य रही है और उसकी जिज्ञासा को आकर्षित करती रही है। यह चेतना प्रारंभिक मानव में अधिक स्पष्ट न होकर प्रकृति के प्रति जिज्ञासा, आशंका, भय, श्रद्धा जैसे मूल भावों में अस्त- व्यस्त रूप में अवस्थित थी।

कहते है समय गतिशील है जैसे जैसे मानव का बौद्धिक विकास हुआ उसके साथ साथ उसके सांस्कृतिक पर्यावरण में आध्यात्मिक चेतना खूब फली- फूली और मानव बुद्धि में भी यह आध्यात्मिक चेतना विविध आयामों में प्रकारान्तर से सांस्कृतिक उत्थान के साथ- साथ विकसित तथा स्पष्ट होती गयी। आध्यात्मिक चेतना जीवन में निरंतर चलने वाली व्यक्ति के व्यक्तित्व में, संस्कारों में समाहित प्रक्रिया है। अंतर केवल इतना ही है कि यह चेतना कभी सुषुप्त तो कभी जागरूक अवस्था में जीवन के साथ सतत् चलने वाली क्रिया है। यदि हम बात करें समुदाय की तो समाज में अनेक समुदाय होते हैं और हर समुदाय की अपनी संस्कृति होती है जो कुछ भौगोलिक, जैविक, भौतिक तथा अधिभौतिक - तत्वों के समावेश के साथ पृथक अस्तित्व रखती है।

किसी भी समाज की छवि उसके सांस्कृतिक चिन्हों में, प्रतीकों में अभिव्यक्त होती है। समय तथा इतिहास गवाह है कि किस तरह आततायी शासकों, विदेशी तत्त्वों ने पराजितों की संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को मलिन करने, प्रदूषित करने के कलुषित प्रयास किये हैं।

अंग्रेज तो असभ्यों पर सभ्यता का प्रसार करने के नाम पर औपनिवेशिक दासता के बंधनों में मानवता को जकड़ते रहे तथा उनकी मूल संस्कृति के तत्वों से छेड़छाड़ करते ही रहे। हर समुदाय का कर्तव्य है कि अपने सांस्कृतिक तत्वों तथा आध्यात्मिक चेतना को अक्षुण्ण रखें। समय के साथ- साथ विकासवादी तत्त्वों का समावेश तो संस्कृति की गतिशीलता का परिचायक है किंतु इतना अधिक परिवर्तन समुदाय में न आ जाए कि संस्कृति का मौलिक स्वरूप ही क्षतिग्रस्त हो जाए। आधुनिकता तथा विकास के नाम पर संस्कृति पर कुठाराघात न हो, आध्यात्मिक चेतना लुप्त ना हो, उसके मौलिक तत्त्व बनें रहें तथा प्रगतिशीलता का पर्याप्त समावेश हो किंतु प्रगति तथा परिवर्तन के नाम पर संस्कृति तथा आध्यात्मिकता का विलोपन ना हो क्योंकि हर समुदाय की पहचान उसकी संस्कृति से है। अपनी संस्कृति के प्रति बालकों में बचपन से ही सम्मान तथा गौरव का भाव परिवार तथा विद्यालयों द्वारा उत्पन्न करके संस्कृति को बचाने की व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही विश्व जनमत के अनुकूल संस्कृति में उन भौतिक तत्वों को भी समाहित किया जाए जिनसे संस्कृति में कल्याणकारी गतिशीलता बनी रहे और वह समय की धारा के साथ अविरल चलती रहे। हमारी सनातन संस्कृति अनेक उतार चढ़ावों के बीच आज भी न्यूनाधिक मौलिक परिवर्तनों के साथ समय की धारा के साथ प्रवाहित हो रही है। इसलिए हमारी आध्यात्मिक चेतना में मानवता को तिरोहित होने से बचाने की प्राण शक्ति सतत् विद्यमान है।

ज्योतिका शाही सक्सेना
लखनऊ
उत्तर प्रदेश

जब वह चुप है!

जब वह चुप है इंसान,
क्यों कर रहा तू हर जगह बख़ान,
निंदा करना सबसे बड़ा पाप,
हर ग़लती को वह रहा है नाप!
निंदा चुगली करने से होती है शांति भंग,
ऐसे व्यक्तियों का ना कर संग,
स्वयं की गलतियों पर थोड़ा नज़र डाल,
आलोचना में ना बीत जाए तेरा एक और साल!
किसी के पीठ पीछे करी बात,
यह है एक बड़ा विश्वासघात,
ऊपर से आप के वक्त का जाया होना,
और अपने मानसिक संतुलन का खोना!
निंदा चुगली करने वालों से दूर हो जाते हैं,
स्वयं को भी इसे करने से बचाते हैं,
जब वह इस दुनिया को शांति से चला रहा है,
क्यों ना हम अपनी जिंदगी मैं भी सुकून लाते हैं!
निंदा, चुगली, आलोचना त्याग दे आज से,
जीवन में और भी महत्वपूर्ण काम- काज है,
खूबसूरती से जीवन को अमूल्य बनाते हैं,
हर रोज एक अच्छी आदत को अपनाते हैं!!

डॉ. माध्वी बोरसे
राजस्थान (रावतभाटा)

बस यही तो चाहा था

काव्य

एक कोना.......
घर का, आंगन का या
सीढ़ी के नीचे का
जो सिर्फ़ और सिर्फ़ मेरा हो ।
मात्र एक कोना
जहां बैठ कुछ पल
भर सकूं मन का
सूना सा कोना......
लिख सकूं जज़्बात
स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार।
पूरी उम्र गुजर गई
घर को सजाने में
ईंट से ईंट जोड़
बड़ा और बड़ा बनाने में .....
सबको मिल गए
अपने अपने कमरे
मुझे तलाश है अभी भी
एक अदद चाय के प्याले से
सजे उसी कोने की
जो अधूरा सपना बनकर
झांक रहा है मेरी आंखों से
अभी भी कहीं ....

संगीता गुप्ता

राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ का दशम प्रान्तीय सम्मेलन सम्पन्न

आवासन आयुक्त ने राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ स्मारिका का किया विमोचन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ द्वारा दसवें प्रान्तीय सम्मेलन का आयोजन 1 अप्रैल को सामुदायिक केन्द्र सेक्टर-8, अरावली मार्ग, मानसरोवर में आयोजित किया गया जिसमें प्रदेश के सभी कर्मचारी और पदाधिकारियों ने भारी संख्या में भाग लिया। इस सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में आवासन आयुक्त श्री पवन अरोड़ा ने शिरकत की और अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि

-राजस्थान आवासन मण्डल में 311 पदों पर भर्तियां की जाएगी, इसके लिये वित्त विभाग से स्वीकृति जारी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि उच्च स्तर की स्वीकृति के बाद भर्ती एजेंसी का चयन कर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

-मुझे राजकीय सेवा में लगभग 33 वर्ष हो गये हैं और मुझे इस दौरान अलग-अलग विभागों में बतौर प्रशासनिक अधिकारी काम करने का अवसर मिला है, लेकिन संस्थान के प्रति जो चिंता यहां के कर्मचारियों में देखी है वह कहीं नहीं देखी। मैंने जब यहां कार्यभार संभाला, तो यहां चिंता और निराशा का माहौल था। मैंने सभी कर्मचारियों को एक पत्र लिखा, जिसमें यह उल्लेख किया गया कि हम सबको मिलकर राजस्थान आवासन मण्डल के गौरव को लौटाना है। मुझे खुशी है कि गत ढाई वर्ष के कार्यकाल में सभी कर्मचारियों ने पूर्ण मनोयोग के साथ काम कर मण्डल के गौरव को लौटाया है।

-आवासन मंडल के अधिशेष मकानों के निस्तारण के लिए बुधवार नीलामी उत्सव, स्वर्ण जयंती उपहार योजना, बुधवार नीलामी उत्सव ई-बिड सबमिशन योजना चलाई गई। अब तक 13 हजार 500 से अधिक सम्पत्तियों का निस्तारण ई-ऑक्शन एवं ई-बिड सबमिशन के द्वारा पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया गया है।

-मंडल द्वारा अधिशेष आवासों का न केवल बड़ी संख्या में विक्रय किया बल्कि मकान विक्रय में डबल अन्तरराष्ट्रीय कीर्तिमान भी स्थापित किया। ई-ऑक्शन में मंडल ने महज 35 कार्यदिवसों में 1010 आवास बेचे, जिससे मंडल को 162 करोड़ रूपये का राजस्व मिला। इसके बाद बुधवार नीलामी उत्सव के तहत ई-बिड सबमिशन योजना में 12 दिनों में 185 करोड़ रूपये की 1213 सम्पत्तियों का विक्रय कर पुनः अन्तरराष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया। इसके अतिरिक्त पहली बार प्रीमियम सम्पत्तियों को खुली नीलामी के माध्यम से बेचना शुरू किया। इसके साथ ही जयपुर सहित प्रदेश के 18 छोटे शहरों में 5 हजार 864 मकानों का निर्माण कार्य द्रुत गति से चल रहा है।

आर्थिक बदहाली के दौर से निकल कर रिकॉर्ड राजस्व किया अर्जित : मैंने जब आवासन मण्डल में कार्यभार ग्रहण किया था, तो यहां के आर्थिक हालात सही नहीं थे। आप सभी के सहयोग से हमने न केवल आवासन मंडल का खाली खजाना भरा बल्कि मंडल की स्थापना से लेकर अभी तक का सर्वाधिक 6 हजार करोड रूपये का राजस्व अर्जित करके सभी को विस्मित कर दिया है।

बड़े अभिनव प्रोजेक्टों ने दिलाई मण्डल को अलग पहचान: मंडल इस दौरान रिवायव तो हुआ ही साथ ही कई लीक से हटकर बड़ी परियोजनाएं लाकर प्रदेश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आप सभी के सहयोग से मकान विक्रय के साथ अभिनव परियोजनाएं भी हाथ में ली गई। देश का पहला कोचिंग हब, सिटी पार्क, जयपुर चौपाटी प्रताप नगर व मानसरोवर, एआईएस रेजीडेंसी, विधायक आवास परियोजना और कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान जैसी परियोजनाओं ने मंडल को नई पहचान दिलाई है।

कर्मचारी कल्याण में लिये बडे फैसले, पेंशन फण्ड में जमा करवाये 290 करोड रूपये: मण्डल के कर्मचारियों के हित में उन्होंने हमेशा अग्रिम पहल करते हुए कार्य किया है। मंडल परिवार के सभी सदस्यों की सेवानिवृत्ति पश्चात् सामाजिक सुरक्षा के लिये हमारे द्वारा अग्रिम पहल करते हुए सभी पॉलिसियों के अन्तर्गत भारतीय जीवन बीमा निगम को 290 करोड रूपये उपलब्ध करवाये गये हैं। इसके साथ ही काफी लम्बे समय से रूकी हुई विभिन्न संवर्गों के 455 कर्मचारियों को पदोन्नतियां दी गई। आवास से वंचित कर्मचारियों के लिये आवासीय योजनाएं सृजित की गई हैं। कार्मिकों की कार्यकुशलता की वृद्धि के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

मण्डल एक्ट में दोबारा होगा संशोधन, अब मिलेंगे पट्टे जारी करने के अधिकार: आवासन आयुक्त ने बताया कि उन्होंने आते ही मण्डल एक्ट में संशोधन के प्रयास किये। अब मण्डल को अतिक्रमण हटाने और बकाया न जमा कराने वाले की सम्पत्ति के कुर्की जैसे अधिकार मिले हैं। कर्मचारियों के सहयोग से लगभग पिछले एक साल में मण्डल ने लगभग 1 लाख 4 हजार 410 वर्ग मीटर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया है, जिसका अनुमानित मूल्य 807 करोड रूपये है। उन्होंने बताया कि मण्डल एक्ट में एक और संशोधन होने जा रहा है, जिसके बाद मण्डल को अपनी अवाप्तशुदा जमीनों पर पट्टे जारी करने के अधिकार मिल जाएंगे।

राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के वर्तमान अध्यक्ष श्री दशरथ सिंह और पूर्व अध्यक्ष श्री ओ.पी. पूनियां सहित सभी कर्मचारी नेताओं ने अपने संबोधन में मण्डल के रिवायवल के लिये आयुक्त पवन अरोडा का आभार व्यक्त किया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि आयुक्त श्री अरोडा ने हाउसिंग बोर्ड को नई उचाईयों पर पहुंचा दिया है। न केवल देश और प्रदेश में बल्कि विदेशों में भी हाउसिंग बोर्ड के काम का डंका बज रहा है। कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर.सी. बुढानिया, उपाध्यक्ष अश्वनी लोहरा, सुभाष चन्द यादव, पंकज गर्ग, संयुक्त महासचिव रमेश चन्द शर्मा, गोविंद नाटाणी, कोषाध्यक्ष मोहन सिंह, संगठन सचिव रामदयाल गुर्जर, खेल सचिव दारा सिंह, समन्वय सचिव हिमांशु माथुर, परामर्श सचिव उमेश देवडा, महिला सचिव श्रीमती सरोज जैन, प्रचार सचिव मनुज ठाकुर एवं कार्यालय सचिव मोहम्मद युसुफ खान सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर सचिव श्रीमती संचिता विश्नोई, मुख्य अभियन्ता के.सी. मीणा, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता नत्थुराम, संजय पूनियां, विजय अग्रवाल सहित बडी संख्या में कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित थे।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

जयपुर ≫ सोमवार 29 मार्च से गुरूवार 7 अप्रैल, 2022 तक

वेस्ट-वे हाईट्स में 200 फीट सेक्टर रोड में आ रहे अवैध निर्माणों को किया ध्वस्त

सुओमोटो के तहत दो आवासीय कॉलोनियों की सड़क सीमाओं को कराया अतिक्रमण मुक्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-08 में जविप्रा की योजना 'वेस्ट वे हाईट्स' में 200 फीट सैक्टर रोड सीमा में आ रहे मकान, कोटरीयॉ, टीनशेड, चबूतरा, बाउण्ड्रीवाल इत्यादि निर्माणों कब्जा-अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया। सुओमोटो के तहत 02 आवासीय कॉलोनियों की रोड सीमाओं को अतिक्रमण मुक्त करवाया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन श्री रघुवीर सैनी ने बताया जोन-08 के क्षेत्राधिकार जविप्रा की जविप्रा की योजना 'वेस्ट वे हाईट्स' में खसरा नं. 581, 852, 856 ग्राम-केषोपुरा में 200 फीट सैक्टर रोड में आ रहे करीब 01 बीघा आवासषुदा भूमि पर कास्तकार द्वारा 02 मकान, टीनषेड,कोटरीयॉ, चबूतरा, बाउण्ड्रीवाल बनाकर कब्जा कर रखा था उक्त भूमि का कब्जा सडक निर्माण हेतु जविप्रा द्वारा लिया जाना था। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णय उपरान्त भी कास्तकार द्वारा कब्जा नही छोडा गया जिस पर दिनांक 07.02.2022 को धारा 72 जेडीए एक्ट नोटिस जारी कर 200 फिट सैक्टर रोड के निर्माण आवश्यकता के आधार पर आज दिनांक 28.03.2022 को उपायुक्त जोन-08 व जोन के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ व रोड इंजिनियर शाखा की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीनों व मजदूरों की सहायता से सैक्टर रोड में आ रहे निर्माणों को नियमानुसार पूर्ण ध्वस्त किया जाकर रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

विदित है कि उक्त रोड सीमा में आ रहे मकानात से करीब 100 मीटर लम्बाई तक 200 फिट महत्वपूर्ण सैक्टर रोड का निर्माण रूका हुआ था। बाकी सैक्टर रोड का निर्माण पूर्व में ही हो चुका है। अब रोड पूर्ण होने का रास्ता प्रशस्त हुआ है। जेडीए द्वारा जोन-08 के क्षेत्राधिकार ग्राम-केशोपुरा में जविप्रा की योजना 'वेस्ट वे हाईट्स' में सड़क सीमा पर 10 स्थानो पर बंजरी, रोड़ी डालकर तथा तीरपाल, थडीयाँ लगाकर कब्जा-अतिक्रमण कर रास्ता अवरूद्ध किया गया था। जिससे आमजन को आवागमन में भारी समस्या का सामना करना पड रहा था। जिसकी शिकायत प्राप्ति पर जोन-08 के राजस्व व तकनिकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर सड़क सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया जाकर आम रास्ते को सुचारू रूप से चालू करवाया गया। उक्त कार्यवाही उपायुक्त जोन-08, उप नियंत्रक प्रवर्तन-पथम, प्रवर्तन अधिकारी जोन-08, 07, 05, 06, 09, 12 व स्थानीय पुलिस थाना भॉकरोटा का जाप्ता तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकि स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

इसी प्रकार माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय डी.बी. सिविल रीट पिटीशन नं. 7688/2019 सुओमोटो के तहत् माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशो के क्रम में प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा आज दिनांक 28.03.2022 को जोन-09 के क्षेत्राधिकार जगतपुरा-रामनगरिया रोड पर अवस्थित स्वरूप विहार कॉलोनी में मकानों के आगे रोड सीमा में करीब 56 स्थानों पर अतिक्रमण कर बनाये गये 04 अवैध चबूतरे, 02 बाउण्ड्रीवाल, 04 लोहे की रेलिंग व 46 स्थानों पर लॉन हेतु लगाये गये लोहे के एंगल, जालियां/दीवारो से निर्मित एनक्लोजर, इत्यादी अवैध निर्माण-अतिक्रमणों को जोन-09 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

चित्रांश महिलाओं ने मनाया नवरात्रि उत्सव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महिला प्रकोष्ठ जयपुर ने चित्रांश महिलाओं का नवरात्र उत्सव धूमधाम से मनाया। जिसकी अध्यक्षता ऑनलाइन आ.भा.का.म प्रदेश अध्यक्ष रश्मि सक्सेना ने की, उपस्थित बहिनों का स्वागत (जिला अध्यक्ष) मीरा सक्सेना ने किया। सर्वप्रथम सभी ने मिलकर चित्र गुप्त जी का आरती वंदन किया। मीनू भटनागर, अन्ना कुलश्रेष्ठ, डॉ भार्गवी ने अपनी मधुर आवाज में माता का भजन सुनाया। सभी चित्रांश महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के गेम्स खेले। गीतों और नृत्यों ने समा बांध दिया। जिला महामंत्री मानसी सक्सेना ने सभी को धन्यवाद दिया।

मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी का 'बिरवा' आयोजन सम्पन्न

हिलव्यू समाचार

मध्यप्रदेश। मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रख्यात कवि भवानी प्रसाद मिश्र के पुण्य स्मरण में प्रदेश भर के साहित्य मनिषीयों को एक मंच प्रदान कर ऐतिहासिक सरस काव्य पाठ के साथ सम्पन्न किया। बिरवा कार्यक्रम एक अनूठा प्रयास भी रहा जहां मंचासीन अतिथियों ने उन सभी कवियों को धैर्य पूर्वक सुना और सराहा साथ साथ ही कविताओं में व्यापक सुधारों को इंकित करने के अलावा सम्पादित भी किया। इस कार्यक्रम के तीन चरण रहे।

सर्वप्रथम प्रातः दस बजे मिश्र जी के जन्म गांव टिगरिया में मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ विकास दवे जी ने पुष्पांजलि अर्पित की तत्पश्चात बारह बजे परमशी रिसोर्ट नर्मदापुरम में आयोजित कार्यक्रम में डॉ दवे ने उपस्थित काव्य मनिषियों को संबोधित किया और इस कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कविता के सम्पूर्ण अस्तित्व को ही संवारे जाने का आव्हान भी किया साथ ही कार्यक्रम में प्रसिद्ध साहित्यकार अशोक जमनानी, आनंद प्रकाश शर्मा ने व्याख्यान दिए जिसमें कविता के मूल स्वभाव पर बात रखी उपरांत कार्यक्रम में उपस्थित कवियों द्वारा काव्य पाठ हुए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी कविगणों को प्रसस्ती पत्र भी प्रदान किए गए।

बदलते रिश्ते

मतलब

सात दिनों से घर में कैद रोहन जी यक-ब-यक सोफे से उछल कर खड़े हो गए। सेवा निवृत्ति के बाद से खामोश टेलीफोन अचानक आज बोल पड़ा था। वे ट्रिंग-ट्रिंग की आवाज सुनते ही आँखों में आश्चर्य भर कर उस कोने को निहारते रह गए जहाँ वह उपेक्षित-सा पड़ा रहता था। रिंग की आवाज लगातार आ रही थी।

कृष्ण मनु

आश्चर्य, सदमे और अविश्वास के मिले जुले भाव से मुक्त होते ही उनका हाथ चोंगे की ओर बढ़ गया। फोन से आ रही आवाज सुन वे आश्चर्य के दूसरे दौर में गिरफ़्त हो गए।

हाऊ आर यु डैड? स्टे होम, सेव योरसेल्फ?

रोहन जी का स्वर भीग गया- ठ..ठीक हूँ, ब...बेटा... आगे के शब्द रुंधे गले में घुटकर रह गए। काँपता हाथ चोंगे को संभाल नहीं पाया। गिर गया। उधर से हलो...हलो की आवाज आती रही।

रोहित जी दीवार पर टंगी पत्नी की छवि के सामने हाथ जोड़कर बुदबुदा रहे थे- देखा रोहिणी, दस वर्षों के बाद बेटे को हमारा ख़याल आया। जिस आवाज़ को सुनने के लिए तुम्हारी पूजा-आराधना तक बेकार चली गई, उस आवाज को केवल सात दिनों के कोरोना के कहर ने सुना दिया। आख़िर बेटे को हमारी सुधि तो आयी। उन्होंने बंद दरवाजे की तरफ कृतज्ञ आंखों से देखा और आंखें मूंद कर पुनः सोफे पर पसर गए।

तभी फ़ोन की घंटी फिर बजी और इस बार रोहित जी ने आत्मीयता पूर्वक चोगा उठाया तो बेटे ने कहा, डेड, आप प्लीज, हमारे भविष्य के लिए सुरक्षित रहिए! सुनकर वे काठ हो गए, मुंह से कोई बोल नहीं फूटा।

लघुकथा

नया जन्म

लेबररूम से बाहर निकलते ही डॉ. सुबोध मरकाम जी बोले- भरत लाल! बधाई हो। तुम बाप बन गये। जाओ मिल लो। बड़ी मुश्किल से डिलवरी निपटी है। सब ठीक है। जाओ। दो जने का जन्म हुआ है। भरत लाल की खुशी का ठिकाना न रहा। कमरे में गया। नवजात को देख उसे आश्चर्य हुआ। नर्स से पूछा- एक कहाँ है सिस्टर ? क्या...कौन...? नर्स ने नवजात को इंजेक्शन लगाते हुए कहा। मेरा दूसरा बच्चा ? भरत लाल ने अपनी बात दुहरायी- डॉक्टर साब तो दो जने जनम लिये हैं; बताये। नर्स डॉक्टर की बात समझ गयी। बोली-ठीक तो बोले डॉक्टर साहब। फिर दूसरा? इधर-उधर देखते हुए भरत लाल बोला। वो तो है। नर्स ने अर्द्ध-चेतना अवस्था में पड़ी ज्योति की ओर इशारा किया। तभी उसकी नज़रें नवजात व परेशान लेबर-स्टाफ पर गयी। भरत लाल तुरन्त ज्योति से लिपट गया। उसे बात समझ आ गयी थी।

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला' घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)

आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन में देश में दूसरी पायदान पर पहुँचा राजस्थान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। देशभर में मनाए जा रहे भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों को पोर्टल पर अपलोड करने में राजस्थान अब कला एवं संस्कृति विभाग के अथक प्रयासों से दूसरे नंबर पर आ चुका है।

कला एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त शासन सचिव पंकज ओझा ने बताया कि राजस्थान में 12 मार्च 2021 को दांडी मार्च की वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव की शुरूआत की गई थी। इसके बाद से विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला और विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के नेतृत्व में भारत सरकार के इस हेतु बनाये गये पोर्टल पर अपलोड किया जाता रहा है।

आज से लगभग 25 दिवस पूर्व राजस्थान देश में 20वें नम्बर पर था। मंगलवार तक 1131 कार्यक्रमों को अपलोड कर राजस्थान ने भारत के विभिन्न राज्यों के मध्य दूसरे नंबर पर अपना स्थान बना लिया है। आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन हेतु कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग नोड़ल विभाग है, तथा सम्पूर्ण प्रदेश में विभिन्न विभागों एवं जिलों के समन्वय एवं सहयोग से राजस्थान में उक्त आयोजन को ऐतिहासिक बनाये जाने हेतु निरन्तर प्रयासरत है।

सूचना कानून-पालना न करने पर दो अफ़सरों पर कार्यवाही

हिलव्यू समाचार

जयपुर। लम्बे समय से सूचना आवेदनों की अनदेखी कर रहे अधिकारियों के विरुद्ध राज्य सूचना आयोग ने कड़ा रुख अख़्तियार किया है। आयोग ने बीकानेर में नगर विकास न्यास के सचिव पर बीस हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। आयोग ने हनुमानगढ़ में भादरा के उपखण्ड अधिकारी पर भी दस हजार रूपये का जुर्माना लगाने का निर्देश दिया है।

आयोग ने सुनवाई के दौरान बीकानेर नगर विकास न्यास प्रशासन के प्रति उस वक्त नाराज़गी ज़ाहिर कि जब कई अवसर देने के बाद भी न्यास ने कोई ज़वाब नहीं दिया। सूचना आयुक्त नारायण बारेठ ने सुनवाई के दौरान न्यास के प्रतिनिधि से कहा यह खेदजनक है कि कोई नागरिक तीन साल तक सूचना के लिए दफ्तरों की फेरी लगाता रहे और उन्हें उनका हक न मिले। आयोग ने न्यास के सचिव पर बीस हजार रूपये की शास्ति आरोपित करने का आदेश दिया है। आयोग ने न्यास प्रशासन को एक पखवाड़े में आवेदनकर्ता हिम्मत सिंह को वांछित सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। हनुमानगढ़ जिले में भादरा की भागवती देवी ने कोई तीन साल पहले सूचना के लिए आवेदन दाखिल किया था। पर जब प्रशासन ने सुनवाई नहीं की, उन्हें आयोग का रुख करना पड़ा। आयोग ने उपखण्ड अधिकारी को कई बार नोटिस भेजे लेकिन अधिकारी ने कोई जवाब नहीं दिया। सुनवाई के दौरान सूचना आयुक्त बारेठ ने कहा प्रशासन का यह रवैया स्वीकार्य नहीं है। आयोग ने उपखण्ड अधिकारी पर दस हजार रूपये का जुर्माना लगाते हुए निर्देश दिया है कि वे आवेदक को रिकॉर्ड का अवलोकन करवाए और चिन्हित पचास पृष्ठ तक की सूचना निशुल्क मुहैया करवाए।

इस मामले में भागवती देवी ने दिसंबर, 2018 में अपने गाँव में सरकारी राजस्व भूमि पर अतिक्रमण को लेकर कुछ सूचना मांगी थी। मगर उनकी सुनवाई नहीं की गई। आयोग ने अपने इस आदेश की प्रति कार्मिक विभाग को भेजने का निर्देश दिया है। जुर्माने की यह राशि अधिकारियों की तनख़्वाह से काटी जाएगी।

गणगौर उत्सव की धूम

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। रविवार को देवी नगर स्थित एक होटल में गणगौर उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस उत्सव में द दीवास क्लब की क्लब मेम्बर बंदेज थीम मे ड्रेसअप हुईं। यहाँ शिव पार्वती के रूप में नन्ने नन्ने बच्चे सजे नज़र आए। इस महोत्सव में शिव बारात निकाली गयी और संगीतकारों ने सबको अपने गीतों से आकर्षित किया। सभी को सरप्राइज गिफ्टस दिए गए। गिफ्टस डॉ तारा तिवारी के द्वारा स्पॉन्सर किए गए थे। महिलाओं ने घूमर कर सबका मनमोहा और त्यौहार की बधाई दी। इस अवसर पर पद्मश्री गुलाबों सपेरा कालबेलिया डान्सर, डॉ तारा तिवारी फ़ाउंडर ओफ़ नेचर वेलनेस प्र.लि, रुचि जैन ओरिफ्लेम राज शर्मा फ़ाउंडर ओफ़ बेटी फ़ाउंडेशन, मीनाक्षी जोशी एसट्रोलोजर, राहुल शर्मा सोशल ऐक्टिविस्ट ओफ़ बेटी फ़ाउंडेशन, शिव जोशी एडवोकेट, डॉ भार्गवी प्रणिक हीलर, डायरेक्टर ऑफ रिदम इंटरप्राइजेज ख़ास अतिथि के रूप में नज़र आए। कार्यक्रम में

डांस कॉम्पटीशन और भी कई तरह के गेम खेले गए। अध्यात्म एंड आविर्भाव नेशनल विनर सिंगर की शानदार प्रस्तुति रही। इस उत्सव में बड़ी संख्या में महिलायें उपस्थित रहीं। अंत मे अध्यक्ष कीर्ति शर्मा और प्रेम दीगवाल ने सभी का आभार जताया।

सामंतवाद, जातिवाद और तानाशाही के बीच उपजा न्याय का बीज

वैसे तो हिंदुस्तान के लोकतंत्र में सभी को न्याय के पक्ष में गुहार लगाने की इजाजत है हर वह पीड़ित व्यक्ति जिसे लगता हो कि मेरे साथ अन्याय हुआ है किसी भी तंत्र तथा किसी भी व्यवस्था के खिलाफ खड़े होकर वह अपने हक और अधिकार की मांग कर सकता है लोकतांत्रिक तरीके से की गई मांग को पूरा होने या ना होने के बीच आड़े आता है सामंतवाद, जातिवाद व तानाशाही, इन सब चीजों के बीच में से न्याय की कल्पना करना व न्याय हक़ की लड़ाई लड़ते समय मुक़ाम तक पहुंच जाना अपने आप में एक बहुत बड़ी चुनौती है स्थितियाँ बदलने से लेकर न्याय मिलने तक की प्रक्रिया में सामंतवाद अपनी एक अहम भूमिका निभाता है जिसका तरोताजा उदाहरण हमें गत दिनों राजस्थान के बीकानेर (राजियासर) क्षेत्र में देखने को मिला ।

बीकानेर से सूरतगढ़ के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर तीन जगहों पर टोल प्लाजा को चलाने वाली तथा सड़क निर्माण में कार्यरत एक निजी कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी की 6 फरवरी 2022 को नौकरी पर रहते हुए ऑन ड्यूटी कंपनी की गाड़ी में आकस्मिक मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो जाती है। सामंतवाद इस कदर रहता है कि 12 घंटे बीत जाने तक महज 5 किलोमीटर की दूरी पर रहने वाले परिवार को सूचित नहीं किया जाता है कि आपके घर का चिराग बुझ गया है और व्यवस्था इस प्रकार की खड़ी करने का प्रयास किया जाता है कि इस दुर्घटना को कैसे भी करके मुद्दा ना बनने दिया जाए और संबंधित सारे पत्र प्रणाली को नष्ट कर दिया जाता है अपने घर का चिराग बुझा देखकर घर परिवार के लोग व्याकुल होकर मृतक के अंतिम क्रिया कर्मों में व्यस्त हो जाते हैं और इधर ईस्ट इंडिया की तर्ज पर चलने वाली निजी कंपनी में सामंतवाद की हर प्रकाष्ठा को पार करते हुए इस मामले को बुझा देती है 1 महीने तक ना कोई कंपनी का कर्मचारी पीड़ित के घर जाता है और ना ही किसी प्रकार की संवेदना व्यक्त करने का कोई कार्य कंपनी द्वारा या कंपनी के नुमाइंदों द्वारा किया जाता है फलस्वरुप एक महीने बाद परिजनों को यह कहकर दुत्कार दिया जाता है कि अब कुछ नहीं हो सकता मृतक हमारी कंपनी का कर्मचारी नहीं था आपसे जो बन सकता है करिए, 1 महीने के बाद पीड़ित परिवार लोकतंत्र में सबसे ज्यादा मज़बूत क्रियान्वयन करने वाली जागरूक जनता से अपील करता है और उन्हीं जनता के बीच में से निकल कर कुछ सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में चेहरे बाहर आते हैं और वह चेहरे इस घटना को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं जिसके फलस्वरूप 24 मार्च को एक बहुत बड़ा आंदोलन करने का आव्हान किया जाता है आसपास क्षेत्र के आम व्यक्ति पीड़ित के रिश्तेदार जनप्रतिनिधि सभी लोग 24 तारीख को धरना स्थल पर पहुंचने का प्रयास करते हैं इन सबके बीच कुछ ऐसे लोग हैं जिन्होंने इस घटना को जाति से जोड़ा, पंथ से जुड़ा और संप्रदाय से जोड़ते हुए निस्वार्थ रूप से पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलवाने के लिए प्रयासरत इस आयोजन से ना केवल किनारा करते हैं बल्कि धरने में लोग शामिल ना हो इस तरह के भी प्रयास जारी रखते हैं मानवता के लिए न्याय की लड़ाई में इस प्रकार से सामंतवाद और जातिवाद का मिश्रण होना कहीं ना कहीं दुख को प्रकट करता है ठीक उसी दिन शाम को प्रशासन द्वारा तानाशाही रवैया अपनाते हुए न्याय के लिए गुहार लगाते आम लोगों के ऊपर लाठीचार्ज कर दिया जाता है बुजुर्गों और युवाओं पर लाठी चार्ज होने से काफी लोग घायल भी हो जाते हैं अब सामंतवाद, जातिवाद और तानाशाही तीनों ने अपने दम पर मिलकर मानव व लोक कल्याणकारी कार्य हेतु किए जा रहे धरने को विफल करने का सारा प्रयास करते हैं परंतु आम लोग तब तक जागरूक हो चुके होते हैं और लोगों की संख्या बढ़नी शुरू होती है लोग धरना स्थल की तरफ कूच करते हैं 25 और 26 के बाद 27 तारीख को एक जन सैलाब के रूप में दूर-दूर से जनप्रतिनिधि आम सामाजिक कार्यकर्ता जागरुक व्यक्ति धरना स्थल की ओर कूच करते हैं फल स्वरूप हजारों की संख्या में जब राष्ट्रीय राजमार्ग राजियासर उप तहसील पर लोग इकट्ठे होकर न्याय हक और अधिकार की आवाज को बुलंदी से रखते हैं तब ना केवल सामंतवाद को बढ़ावा देने वाली कंपनी ना केवल जातिवाद को बढ़ावा देने वाले ऐसे लोग बल्कि तानाशाही रवैया अपनाने वाली प्रशासन को भी घुटने के बल आकर झुकना पड़ता है और झुककर धरना स्थल पर हजारों की संख्या में मौजूद लोगों के नेतृत्व करने वाली संघर्ष समिति से वार्ता के लिए प्रस्ताव आता है और प्रस्ताव में नियंत्रित सुझाव को कंपनी में प्रशासन के बीच रखने के बाद आम लोगों की आक्रोश को देखते हुए मजबूरन प्रशासन को तानाशाही रवैया छोड़ते हुए, सामंतवादी कंपनी पर दबाव बनाकर लोकतंत्र के पुरोधा कहे जाने वाले आम व्यक्तियों की भावनाओं को समझते हुए जिस व्यक्ति को कंपनी ने कर्मचारी मानने से इनकार कर दिया था उसी व्यक्ति को 31 लाख 50 हजार का मुआवजा राशि स्वीकृत होती है इसके साथ साथ गत वर्षों में करीबन 6 और ऐसे मामले जिसके लिए भी 10/10 लाख की मुआवजा राशि स्वीकृत होती है यह जीत तमाम उन सामान्य, आम आदमियों की जीत है जिन्होंने निस्वार्थ भाव से जाति, पंथ, रंग, संप्रदाय की राजनीति से ऊपर उठकर राजनीतिक दलों के व्यवहारों से ऊपर उठकर इस नेक कार्य में अपनी मेहनत झोंक दी, जीत आम जनता की होती है लेकिन बीकानेर क्षेत्र के तमाम राजनीतिक दल तथा वर्तमान में राजनीतिक कुर्सियों पर काबिज नेता की नियत और शिद्दत का परिचय सभी से हो जाता है आम लोगों को पता चल जाता है कि मुसीबत के समय सारे राजनीतिक दल ना जाने किन बिलों में छुप जाते हैं और कोई काम आता है तो वह केवल और केवल आम व्यक्ति वहीं आम व्यक्ति जिसे यह राजनीतिक दल जीतने के लिए सत्ता हथियाने के लिए जिनका इस्तेमाल करता है और एक बार फिर बीकानेर जिले की राजनीति को पूर्ण रूप से उजागर करते हुए एक आम पीड़ित, शोषित, गरीब किसान को चंद सामाजिक कार्यकर्ताओं व जागरूक बंधुओं की सूझबूझ के साथ आम लोगों की मेहनत की बदौलत न्याय मिलता है और यह जीत इस बात का एहसास कराती है कि..

सारे साथी काम के सबका अपना मोल, मुसीबत में जो साथ खड़ा रहे वह सबसे अनमोल ।।

यह आंदोलन एक बार फिर इस बात का विश्वास दिलाता है कि जीत चाहे न्याय के लिए हो या राजनीतिक या सामाजिक हो, जीत का सेहरा आम जनता के सिर्फ बांधा जाना चाहिए, जीत हमेशा आम और साधारण व्यक्ति के हाथ में होती है ना कि राजनीतिक दलों तथा इन दलों की चारगुजारी करने वाले कार्यकर्ताओं तथा छूट भैया नेताओं के हाथ में...।

-सम्पत सारस्वत 'बामनवाली'

रिश्तों की चीर फाड़

शाम के सांझ बाती के समय गांव के मंदिर में भजन आरती हो रही थी तभी गांव के इस छोर से उस छोर तक हल्ला मच गया- गांव के महेश ने मौसी संग बिहा कर लिया..बिहा..आ .... !

जीटी रोड से सटे गांव डोमनीडीह में जैसे डमरू बजा उठा था। जिसने सुना उसी ने चार गाली सुनायी देखो आज का युवा जाने, किस दिशा में जा रहा है । मौसी, माय बराबर! उसके साथ बिहा..! अब कौन विश्वास करेगा कि यह सब भाई बहन के बीच नहीं होगा..? महेशवा ने गांव गंधा दिया! कुछ लड़के भी भड़के भड़के से दिख रहे थे।

मोबाइल युग में सब मनमौजी हो गया है, ताक-झांक काफ़ी बढ़ गया है। कल ही रमेशवा छिप कर कपड़े पहनते हुए भाभी का फोटो खींचते पकड़ाया है! बाप रे बाप कौन किस पर भरोसा करें! औरतें भी ख़ूब भचरभचर करने लगी थीं। हद हो गई है! डायन भी अपने घर में मुंह मारने के पहले हज़ार बार सोचती है पर यह महेशवा साला मौसिये पर हाथ डाल दिया! भगतुबुढ़ा बैठे बैठे कुढ रहा था।

साल भर से महेश का अपने ही मौसी मालती के साथ लवसव चल रहा था। जब इसकी भनक महेश के घर वालों को हुई तो कड़ा एतराज़ जताया गया और रिश्ते को कलंकित न करने की चेतावनी दी गई। पर महेश और उसकी मौसी मालती अपने बढ़े कदम पीछे खींचने के बजाय छिप छिपकर मिलना जारी रखा और जब दूरियां बर्दाश्त नहीं होने लगी तो दोनों दो कदम और आगे बढ़ आये और समाज और संस्कार को धकियाते हुए एक दिन मंदिर में जाकर शादी कर दोनों थाने पहुंच गये। दारोगा जी ने दोनों के परिवार को थाने बुलाया और कहा जो करना था इसने कर लिया। दोनों जवान है। दोनों कोर्ट मैरिज के लिए रजिस्ट्रेशन भी करा लिया है। अब आपके मानने न मानने से इस पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है, क्या कहते है आप लोग? बाप ने बिफरते हुए कहा- मैं इस रिश्ते को जीते जी स्वीकार नहीं कर सकता हूं। मेरे घर के दरवाजे इसके लिए हमेशा से बंद।

आज से यह मेरी बेटी नहीं है । जाए कहीं डूब मरे । मेरे दरवाजे पर कदम रखा तो खैर नहीं। मालती का बाप बोला ।

डोमनीडीह में हुआ यह प्रेम विवाह क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया था। विकट स्थिति यह हो गई थी कि इस रिश्ते को कोई मानने को तैयार नहीं था। इस शादी के बाद बेटा बाप का साढू और बड़ी बहन सास बन गई थी । घर वालों के विरोध के बावजूद दोनों अलग होने को तैयार नहीं। नतीजा घर के दरवाजे उनके लिए बंद।

उस रात दोनों ने एक शुभ चिंतक के घर रात गुजारी और सुबह दोनों ने हैदराबाद की ट्रेन पकड़ ली । महेश ने गांव और घर दोनों को अलविदा कह दिया। अब गांव में एक कहावत खूब चल पड़ी थीः तोरमैइयो ज़िंदाबाद और तोरमौसियो ज़िंदाबाद

श्यामल बिहारी महतो
बोकारो, झारखंड

लघुकथा

रानी परी

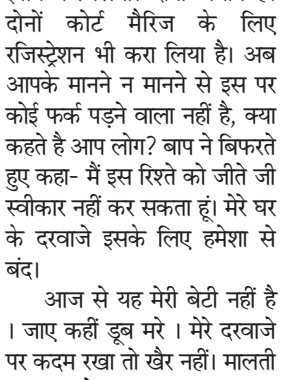

आज बिरजू बहुत निराश मन लेकर बाज़ार से लौटा। जितनी मूर्तियाँ वह बेचने के लिए साथ ले गया था, वैसा का वैसा वापस ले आया। उसकी एक भी मूर्ति नही बिकी। इस कारण वह बहुत दुखी है।

उसके बूढ़े पिता जी बिरजू को देखकर दबी जुबान में खाँसते हुए कहते हैं-क्या हुआ बिरजू? आज तू इतना उदास क्यों है?

तब बिरजू हताशा भरी आवाज में श्वास छोड़ते हुए कहता है- क्या बताऊँ पिताजी। आज पुनः मेरी बनायी मूर्तियाँ नही बिकी!

तभी उसके पिता जी उसे धैर्य बंधाते हुए कहते हैं-बेटा इसमें हताश होने की कोई बात नही है। तुम मूर्तियाँ बहुत अच्छी बनाते हो, जब ग्राहक पसन्द नहीं कर रहे हैं, तो निश्चित ही उसमे और सुधार करने की आवश्यकता है।

अपने बीते दिनों को याद करते हुए अपनी लग्न-मेहनत और कलाकारी को वह बुजुर्ग पिता अपने बेटे बिरजू को बताता है।

आज वह बूढ़ा हो चला है। उसकी सारी इंद्रियां जवाब दे गई हैं और इस कलाकारी को वह अपने बेटे बिरजू को सीखा दिया है।

अपने पिता की सीख भरी बातों को सुनकर बिरजू कुछ सोंच में पड जाता है। और उसी समय वह उन मूर्तियों की पोटली को खोलकर सर से लेकर पाँव तक एकटक देखने लगता है।

उसने रानी परी से लेकर बहुत सारी छोटी-छोटी परियाँ बनायी थी। सभी एक से बढ़कर एक दिख रही थीं। उनको देखकर ऐसा जान पड़ता था मानो स्वर्ग की परियाँ धरती पर उतर आई हों। पर बाज़ार में वही मूर्तियाँ बिक नहीं रही थी। ग्राहक आते उन मुर्तियों को देखते और चले जाते। इस तरह से जाते हुए देख आखिर में बिरजू ने पूछ ही लिया-क्यो? क्या हुआ बाबू जी? क्या मूतियाँ पसन्द नहीं आयी? आपको कैसी मूर्तियाँ चाहिए?

इतने सारे प्रश्नों को सुनकर वह आया हुआ ग्राहक स्तब्ध रह गया।

तब वह मूर्तियों की ओर देखते हुए कहता है-मुझे सोलह श्रृंगार वाली मूर्तियाँ चाहिए। जो रानी परी की तरह लगती हो।

इतना कहकर वह चला जाता है। तब वह बिरजू सोलह श्रृंगार की बात को गहराई से सोंचने लगता है।और घर जाकर सारे सोलह श्रृंगार को इकट्ठा किया। फ़िर उसने रानी परी का सोलह श्रृंगार किया। श्रृंगार होने के बाद वह परी दुल्हन की दमक उठी। दूसरे दिन वह बाजार लेकर पहुँच गया। हरेक आने-जाने वाले उस मूर्ति को देखकर वाह! वाह !करने लगे। कुछ समय बाद वही बाबूजी जो सोलह श्रृंगार की बात कह गया था। उसको देखकर-वाह वाह करने लगा। अद्भुत! और प्रसन्न हो गया। और तुरन्त उस छोटे मूर्तिकार बिरजू से कहा-चलो भाई तुम इस मूर्ति को रख लो और मेरे घर छोड़ दो। पास ही मेरा घर है। तब वह छोटा मूर्तिकार बिरजू जी! बाबूजी! कहकर उसके साथ चला गया। उस बाबू जी की नन्ही बिटिया घर के आँगन में खेल रही थी। उसके पिता जी ने कहा-बिटिया देखो तुम्हारे लिए क्या लाया हूँ? इतना कहना ही था कि उस नन्हीं बिटिया की नजर उस परी पर पड़ जाती है।उसको देखकर फूला नहीं समाती और एक ही पल में लपक कर उस रानी परी को छीन कर सीने से लगा लेती है। और खुश होकर बार-बार चिल्ला रही थी-रानी परी आ गई। रानी परी आ गई।

छोटा मूर्तिकार बिरजू उस नन्ही बिटिया को और अपने हाथों में पैसा को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया।

अशोक पटेल 'आशु'
व्याख्यता-हिंदी
मेघा, धमतरी (छ. ग.)

लघुकथा

कंगाली में आटा गीला

गंगिया के घर तीन दिनों से चूल्हा नहीं जला था। रूखा-सूखा खाकर या फिर नमक - पानी पीकर समय कट रहा था। बेचारी करें तो करें क्या! घर में खाने को मुट्ठी भर अनाज भी नहीं। होगा भी कहाँ से? खेत-पथार रहे तब तो! पति कई दिन से बीमार होकर खटिया पर पड़ा कुहर रहा है। बुखार होने के साथ उसे पेट में जोरों का दर्द। पैसे रहते तो बढ़िया से उसका इलाज भी होता। पैसे के अभाव में सब कुछ भगवान के भरोसे चल रहा था। वह अकेली बेचारी क्या -क्या करती? कहां तक जुगाड़ कर पाती। फिर भी उससे जहाँ तक चल बन सका, उसका जैसे- तैसे इलाज कराती रही।

उसका पति गोनूराम भाड़े पर मंगल साव की रिक्शा चलाया करता था। मंगल साव को किराया देने के बाद जो थोड़ा-बहुत बचता था उसी से किसी तरह घर का गुजारा होता था।

परिवार में पति-पत्नी के अलावा पाँच वर्ष का एक बेटा था चुन्नू। उन दोनों का भविष्य और बुढ़ापे का सहारा, सो उसका पालन-पोषण दोनों बड़ी जतन से कर रहे थे। दोनों का सपना था कि बेटा अच्छे से पढ़े लिखे और काबिल बने, इसी उम्मीद और आकांक्षा से गोनूराम दिन रात एक कर खटता रहा। जबत क देह में कूबत रही, शरीर साथ देता रहा, तब तक गोनूराम ने काम में कोई कोताही नहीं की। पूरे दम पर रिक्शा खींचता रहा। मगर जब बीमार पड़ा तो कोई चारा नहीं रहा। बेचारा मन मारकर घर बैठ गया। अब घर की सारी जिम्मेवारी गंगिया के कंधे पर आ गयी थी। बेचारी मजदूरी करने पर मज़बूर हो गयी। बड़ी मशक्कत के बाद एक घर में चौका बर्तन और झाडू- बुहारू करने का काम मिला। मगर आमदनी इतनी कम थी कि मुश्किल से बच्चे और बीमार पति का पेट पाल रही थी। हाड़ तोड़ मेहनत के बावजूद वह उतना नहीं कर पा रही थी कि बच्चे को भरपेट भोजन भी खिला सके। उसके लिए दो कौर भात जुटाना भी मुश्किल हो गया था। कुछ दिनों से गंगिया का काम भी बंद था।

परसो पड़ोस की काकी के यहाँ से एक कटोरी बासी भात ले आयी थी, जिसे खाकर बच्चों ने भूख मिटायी थी। मगर माँग-माँग कर कब तक पेट भरा जा सकता है। अब तो साहूकार ने भी उधार देना बंद कर दिया।

सांझ को जब गंगिया उसकी दुकान पर पहुँची तो साहूकार ने उसे बुरी तरह झिड़क दिया । दो टूक कह दिया - गंगिया अब हम तुम्हें उधार नहीं दे सकते। इसी तरह उधार देते रहे तो मेरी लुटिया ही डूब जायेगी।

बेचारी आँखों में आँसू भर बुरा सा मुँह लेकर लौट आयी। फिर कहीं जाने की हिम्मत नहीं जुटा सकी। फांके कसी का दौर चलता रहा। बेबसी मुँह चिढ़ाती रही।

आज सप्ताह भर के बाद गंगिया को काम मिला था। मड़र के खेत में घास छीलने का। बेचारी तपती धूप में दिन भर खेत में खुरपी चलाती रही। शाम को वह थकी हारी घर लौटी। मजूरी में तीन सेर गेहूँ मिला था। सो उसने सोच : आज दाल रोटी और चोखा पकाकर खायेगी। यह सोच वह झट साहूकार की दुकान पर गई और उसे बदलकर दुकान से आटा, दाल और

आलू ले आयी। घर आते ही वह खाना बनाने में भिड़ गयी। आज तीन दिनों के बाद उसके घर चूल्हा जलने वाला था। इसलिए थकान के बावजूद चेहरे पर शिकन नहीं थी, बल्कि एक उम्मीद सी जग गयी थी। उम्मीद की इस किरण में उसका चूल्हा कब जल गया, पता नहीं चला। चूल्हा जलते ही बच्चे की आँखें चमक उठी। एक सपना तैर गया कि आज वह छककर दाल रोटी चोखा खायेगा।

गोनू भी बहुत खुश था। आखिर उसे भी तो बड़े इंतज़ार के बाद दाल रोटी का स्वाद मिलने वाला था।

इधर उम्मीद बांधे गंगिया तेजी से दाल घांटने में लगी थी। दाल घांटने के बाद वह रोटी बेलेगी। आलू को सीझने के लिए उसने दाल की हांडी में ही डाल दिया था। यह सोचकर कि आलू घुल जायेगा तो उसका छिलका उतार कर चोखा बना लेगी।

थोड़ी देर आँच लगाने के बाद उसने डब्बू से दाल के कुछ दाने निकाले और उसे हाथ से मसला। हाथ लगते ही दाल के दाने चूर हो गये। इसका मतलब दाल सीझ गयी है, अब उसे घांट देना चाहिए। यह सोचकर कपड़े के एक टुकड़े से पकड़कर दाल की हांडी को उतारा और बगल की एक ऊँची जगह पर रखकर दाल घांटने लग गयी। सोचा दाल घांटने के बाद वह रोटी बेलेगी। दाल घांटते हुए वह सोचे जा रही थी कि कल पन्नू काका के खेत में काम करेगी। परसो दल्लू दा के यहाँ। दो -तीन दिनों का जुगाड़ तो हो गया है। वह सोचने लगी - अगर इसी तरह से काम मिलता रहा तो दरिद्री तुरंत छूमंतर हो जाएगी।

सोच गहरी होती गयी। मन ही मन विचारों का ताना-बाना बुनने लगी। वह मन्नू दा से बोलेगी - गोनू को भी कोई छोटा-मोटा काम दिला दें। गरीब का बेड़ा पार लग जाएगा। अभागे का भाग जग जायेगा।÷

दाल उतार लेने के बाद वह रोटी बेलने लगी थी। इधर चुन्नू भी धूम मचाने लगा था - माँ खाना कब बनेगा? जल्दी करो ना! भूख से अँतड़ी कुलबुलाने लगी है। बर्दाश्त नहीं हो रही है।

बस और थोड़ी देर बेटा। जल्द ही रोटी सेंक दूँगी। फिर खा लेना। इतना कहकर वह तेजी से हाथ चलाने लगी। वहीं धूम मचाते चुन्नु दरवाजे पर आकर अपने पिता के पास आकर लेट गया। लेटे लेटे दोनों तरह-तरह की बातें बतियाने लगे। फिर दोनों की आँखें कब लग गयी। पता नहीं चला।

खाना उतार कर गंगिया जब दरवाजे पर आयी तो देखा बाप बेटे दोनों गहरी नींद में खर्राटे भर रहे हैं। आते ही वह बोली- चलिये ना। खाना खा लीजिये। ठंडा जायेगा तो बेस्वाद हो जायेगा।'

वहीं बेटे को झकझोर कर उठाते हुए बोली उठो बेटा। खाना बन गया है। कब से तुम खाने के लिए चिल्ला रहे थे? मगर दोनों बेख़बर अपनी दुनिया में खोये थे। उसने दोनों को झकझोर कर उठाया। पर दोनों कुनमुना कर रह गये। अभी वह बाप बेटे को जगा ही रही थी कि चौके से जोरों की आवाज आई - धम्म! झनाक! आवाज़ इतनी ज़बरदस्त थी कि बाप बेटे दोनों झटके से उठ बैठे। गंगिया का दिल एकबारगी जोरों से धड़क उठा। वह उल्टे पाँव चौके की ओर भागी। वहाँ का नजारा देखते ही गंगिया को चक्कर आ गया। दाल की हांडी उल्टी हुई थी। पतीले से रोटियां गायब। कुछ रोटियां इधर-उधर बिखरी हुई थी। गोनू के साथ चुन्नू भी आँखें फाड़-फाड़कर देख रहे थे। शायद यह किसी शरारती बिल्ली का काम था, दाल की हांडी उल्टाकर कुछ रोटियां तितर बितर कर दी थी और कुछ लेकर भाग गयी थी। चौके की हालत देखकर गंगिया के सब्र का बांध टूट गया। बहती दाल की तरह आँखों के आँसू भी गालों पर लुड़कने लगे थे। ये सब देख चुन्नू सुबक पड़ा - माँ अब हम क्या खायेंगे?

चुन्नू का सुबकना गंगिया से देखा नहीं गया और वह बुक्का फाड़कर रो पड़ी। रोते-रोते ही वह बोली - बेटा! हमारी बदकिस्मती को शायद यही मंजूर था। कंगाली में आटा गीला हो गया।' मगर धीरज रख बेटा। सुबह फिर रोटी दाल बना दूँगी। जी भर कर खाना। और वह आँखों के आँसू पोंछ कर बिखरी रोटियां समेटने के साथ बहती दाल को पोंछने लगी थी।

अभय कुमार
भारती कुशवाहा
लोदीपुर,
भागलपुर

राजस्थान को पर्यटकों के आगमन की रैंकिंग में सुधार करने की जरूरतः प्रमुख सचिव, पर्यटन

एफएचटीआर और पर्यटन विभाग ने 'राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट 2022' के लिए किया एमओयू साइन

जयपुर। प्रमुख सचिव, पर्यटन (पीएसटी), राजस्थान सरकार, गायत्री ए. राठौड़ ने कहा कि राजस्थान को पर्यटकों के आगमन के लिए अपनी रैंकिंग में सुधार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन में छठे स्थान पर और डोमेस्टिक पर्यटक आगमन में 10वें स्थान पर है। विभाग आगमन की दोनों श्रेणियों के लिए रैंकिंग में सुधार करने और इसे देश में शीर्ष 3 में ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य के साथ विभाग सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। राठौड़ पर्यटन विभाग (डीओटी), राजस्थान सरकार और फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) के बीच राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) 2022' के आयोजन के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के अवसर पर बोल रही थीं। समारोह का आयोजन होटल क्लार्क्स आमेर में हुआ। प्रमुख सचिव, पर्यटन श्रीमती राठौड़ ने आगे कहा कि कोविड के बाद 'आरडीटीएम 2022' राजस्थान में घरेलू पर्यटकों के आगमन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्य में घरेलु पर्यटकों का आगमन बढ़ गया है, इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के खुलने से विदेशी पर्यटकों का आगमन भी शुरू हो गया है।

रचनाकार ने धूमधाम से मनाया राजस्थान दिवस

हिलव्यू समाचार

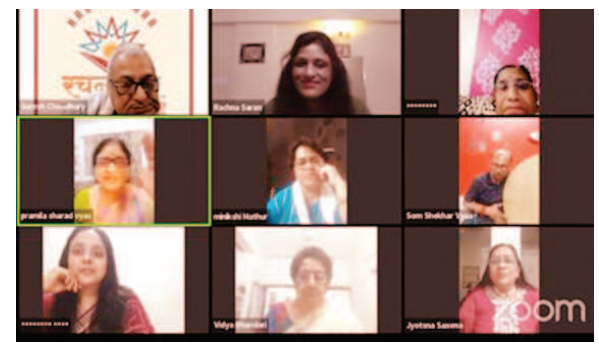

जयपुर। रचनाकार की राजस्थान इकाई की सांस्कृतिक संध्या में राजस्थानी संस्कृति के अद्भुत रंग बिखेरे गए। केन्द्रीय समन्वयक रचना सरन ने सभी देवताओं का आव्हान कर मनभावन नृत्य की प्रस्तुति दी। जहां 'रोटी पोबा भूल गई, ढप बाजो रे..' से कविता माथुर ने आगाज़ किया वहीं सोमशेखर व्यास के होली गीत ने समां बांध दिया। राजस्थानी पोशाक में निर्मला शर्मा की धरती मीरा री ने दर्शकों के दिल जीत लिए। सुमित्रा माथुर का चिरमी गीत अद्भुत रहा। वहीं नन्ही सौम्या के घूमर नृत्य ने इस उत्सव में चार चांद लगा दिए। मंच संचालन प्रमिला शरद व्यास व मीनाक्षी माथुर ने किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में आशा पांडे ओझा ने मनभावन दोहों की प्रस्तुति दी। ज्योत्सना सक्सेना ने कार्यक्रम समन्वयक प्रमिला को व पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं तो विद्या ने केसरिया बालम गीत के माध्यम से अपने राजस्थान को याद किया। रचनाकार के वटवृक्ष श्री सुरेश चौधरी जी ने सभी को धन्यवाद दिया।

वारसदार की महिमा

कहानी

भावना ठाकुर 'भावु'
बेंगलोर

आज 'सनशाइन विला' को स्वर्ग सा सजाया गया है, मेहमानों को दावत दी गई है, सब कुछ होते हुए भी एक कमी अख़र रही थी पूरे परिवार को। बेटे की कमी, वारसदार की कमी, पोते की कमी जो मैंने पूरी कर दी है। आज हमारे घर खुशियों ने दस्तक दी है दो बेटियों की बलि चढ़ा कर ये नेमत पाई है।

बेशक आज सासू माँ की खुशी का ठिकाना नहीं है पोते का मुँह तो कोई खुशनसीब ही देखता है, ऐसा उनका मानना है। उससे भी ज़्यादा मैं आसमान में उड़ रही थी, ससुर जी जता नहीं रहे थे पर एक सुकून उनके चेहरे पर दस्तक दे रहा था, जब से मेरा बेटा पैदा हुआ है। जी हाँ मैं विधि विकास मेहरा 'सनशाइन कंस्ट्रक्शन कंपनी' के इकलौते बेटे विकास की पत्नी। इज्ज़तदार अरबपतियों की श्रेणी में हमारे घराने की तुलना होती है। मेरी शादी को सात साल हो गए दरमियान दो बेटियों को हमने मेरी कोख में ही काट कूटकर दफ़ना दी थी। आख़िरकार मेहरा परिवार की मन्नत पूरी हो गई। दो महीने पहले मेरी कोख से बेटे ने जन्म लिया 'जी हाँ बेटे ने जन्म लिया' जो बेटा इस वंश को आगे बढ़ाएगा, दादा दादी को स्वर्ग की सीढियों तक पहुँचाएगा, अपने बाप को इज्ज़त दिलवाएगा, सनशाइन कंपनी का वारसदार जो ठहरा। आगे जाकर कुल का नाम बढ़ाएगा और बिज़नेस संभालकर मेहरा खानदान का नाम रोशन करेगा।

बेटियाँ बेचारी खामखाँ पल्ले पड़ती, आधी रात को उठकर खाना मांगती, किसी के साथ भाग जाती और मेहरा खानदान की बदनामी होती। होनी ही नहीं चाहिए, बेटियाँ बोझ होती है। किसी ओर के लिए पच्चीस साल तक पालो पोषो और दहेज के लिए लाखों जोड़ो, फिर भी कौनसा बाप का नाम आसमान पर लिखवाती बेटियाँ बला होती है।

ऐसी मेरी सोच नहीं जी, मेरे पढ़े लिखें प्रबुद्ध ससुराल वाले ऐसा मानते है। मैं तो एक सीधे सादे शिक्षक की बेहद ख़ूबसूरत, गोरी चिट्टी बड़े घराने की शोभा बढ़ाने वाली कठपुतली हूँ। मुझे कोई निर्णय लेने का हक कहाँ, कुछ भी बोलने पर तलाक़ की धमकी मिलती है, जो मेरे जैसी आम इंसान की बेटी को परवड़ता नहीं। मुझे सिर्फ तमाशबीन बनकर देखना है, हुकूम की तामिल बजाते बेटियों का अपनी ही कोख में कत्ल करना है।

शशश... बहुत हुआ ज़्यादा बोल नहीं सकती आज मेरे बेटे का नामकरण है। सत्यनारायण की पूजा संग कन्या पूजन भी रखा है। ग्यारह बालिकाओं के पैर धोकर भोजन करवा कर पूरा परिवार कन्याओं को दान दक्षिणा देकर वंदन करेगा। घर की शोभा बढ़ाने के लिए हमें बेटी चाहिए नहीं। पर मानते है न हम बेटियों को देवी माँ का रूप।

अब मैं बताऊँ दो बेटियों की कातिल माँ आज खुश क्यूँ है? आज बेटे को जन्म देकर नौकरानी से महारानी जो बनी हूँ। आज घर में सबकी नज़रों में मेरा सम्मान बढ़ गया है मुझे बेटा जो हुआ है। बेटे के जन्म से पहले कहा गया था या तो इस बार तू बेटा जनेगी, या हंमेशा के लिए मायके जाएगी। नौ महीने रोते हुए मातारानी से प्रार्थना करते बिताए, तब जाकर अपना वजूद प्रस्थापित कर पाई हूँ। खुश क्यूँ न होऊँ आख़िर बेटे की माँ जो ठहरी। चलो कंजक आ गई प्रायश्चित के तौर पर दिखावे की पूजा कर लें, देखो सासू माँ कितने प्यार से कन्याओं को पाट पर बिठा रही है, मैं पानी में पश्चात्ताप के चार बूँद आँसूं के मिलाकर कन्याओं के पैर धो रही हूँ, ससुर जी ने उस पानी का चरणामृत लिया, पति देव ने कन्याओं को वंदन किया। हम सब मिलकर कंजकों को बड़े प्यार से शिरा पूरी खिला रहे है। सबको दक्षिणा में देने के लिए सोने के झूमके लिए है, देखा हमें बेटियाँ कितनी प्यारी है।

हमारे वन्य जीव : शेर

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार,

बच्चों आपने कभी व्हाइट लायन देखा है ? शायद जू वगैरह में देखा हो ! क्योंकि जंगलों में तो ये बचे ही सिर्फ़ तेरह हैं। इन्हें कैप्टिविटी में ही रखने का निर्णय जो ले लिया गया था। चलिये थोड़ी जानकारी आज सफ़ैद शेरों के बारे में लेते हैं, ठीक है न!

बच्चों किसी ऐसे पशु-पक्षी जिसका मूल रंग सफ़ैद नहीं है मगर फिर भी वो सफ़ैद पाये जायें, तो हम आम तौर पर उन्हें एल्बिनो समझ लेते हैं। लेकिन सफ़ैद शेर एल्बिनो नहीं हैं। इनका सफ़ैद रंग एक ऐसे रेअर रिसेसिव जीन-म्यूटेशन के कारण होता है जिससे पिग्मेंटेशन में थोड़ा सा लौस हो जाता है जो इनके फ़र को ये रंग प्रदान करता है , जबकि इनकी स्किन और आँखें अपना नेचुरल पिग्मेंटेशन बरकरार रखे हुए होते हैं ; इसे ' ल्यूसिज़्म' कहा जाता है। तो हम कहेंगे कि व्हाइट लायन्स एल्बिनो नही, ल्यूसिस्टिक होते हैं। ये शानदार म्यूटेशन सिर्फ़ साउथ अफ्रीका के टिंबवाटि नामक स्थान पर ही हुआ जिसके क्रूगर नैशनल पार्क में ये पाये जाते हैं । 'टिंबवैटि' का लोकल भाषा में अर्थ है, 'आसमान से धरती पर उतरी कोई पवित्र वस्तु' ! जब पहली बार वहॉ सफेद शेर दिखाई दिये तो वहॉ के लोगों को भी यही भ्रम हुआ, जो कि सरासर ग़लत है , है न् बच्चों ! ये भी एक तरह के जानवर ही हैं और रंग अलहदा होने के बावजूद इन्हें शेरों की आम शेरों की प्रजाति 'पैंथेरा-लिओ' की श्रेणी में ही रखा गया है । इसीलिए ये इनडेन्जर्ड भी नहीं माना जाता और ये अनप्रोटिक्टेड ही हैं।

हालाँकि ये सदियों से वहॉ मौजूद थे, मगर कुछ यूरोपियन्स ने 1938 में सबसे पहले इन्हें देखा और देखते ही देखते एक ट्रॉफ़ी हासिल करने के लिए या किसी और वजह से इन्हें मारना शुरु कर दिया , या कैप्टिविटी में ब्रीड कराने लगे। जल्दी ही ये प्राकृतिक जंगल से ग़ायब हो गये और 2004 में इन्हें रीइंट्रोड्यूस किया गया तो अब क़रीब तेरह व्हाइट लायन्स जंगल में देखे जा सकते हैं जो कि बहुत ही कम संख्या है। है न् कितने दुःख की बात कि हम इंसान जहॉ मौक़ा लगता है जानवरों को मारने पर उतारू हो जाते हैं।

क्रमशः

डॉ कविता माथुर, लेखिका, कवयित्री, टीवी आर्टिस्ट

खून-पसीना बहाने वाले कार्यकर्ताओं को नहीं सुनने का आरोप लगा रहे नेता खुद वर्कर्स से दूर हैं...

सीएम अशोक गहलोत ने बैठक में एक बार फिर नाम लिए बिना सचिन पायलट पर निशाना साधा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कांग्रेस मेंबरशिप अभियान की धीमी रफ्तार को तेज करने के लिए मुख्यमंत्री निवास पर बुलाई गई बैठक में पार्टी के अंदरूनी हालात पर नेताओं ने जमकर सवाल उठाए। मीटिंग में सीएम अशोक गहलोत ने बैठक में एक बार फिर नाम लिए बिना सचिन पायलट पर निशाना साधा। उन्होंने कहा 'जो लोग मुझ पर यह आरोप लगाते हैं कि पार्टी के लिए खून-पसीना बहाकर सरकार बनाने वाले कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं होती, उनके यहां भी कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं होती। आरोप लगाने वाले खुद भी कार्यकर्ताओं की नहीं सुनते।' उल्लेखनीय है कि सचिन पायलट कई बार पार्टी के लिए खून-पसीना बहाकर सरकार में लाने वाले कार्यकर्ताओं की सुनवाई करने के बयान दे चुके हैं। गहलोत ने उसी बात पर तंज कसा है। उधर, पार्टी बैठक में संगठन चुनाव के लिए सहायक चुनाव अधिकारी कांग्रेस नेता अजय कुमार टुन्ना ने सीएम और बड़े नेताओं की मौजूदगी में पार्टी कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं होने की बात कही।

बैठक में सीएम अशोक गहलोत ने कहा- राजनीतिक नियुक्तियों में देरी पर भी कई बातें हुईं। अब राजनीतिक नियुक्तियां भी हो गईं। कई नेताओं को मौका दिया है। कांग्रेस में काम करते रहना चाहिए, पता नहीं कब किसकी लॉटरी लग जाए। इस पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मजाकिया लहजे में कहा- जैसे मेरी लग गई। डोटासरा के इस कमेंट पर सियासी हलकों में खूब चर्चाएं हो रही हैं।

गहलोत ने आगे कहा कि मैं 1977 में चुनाव लड़ा, पार्टी ने सोचा कोई और नहीं है, यह काम कर रहा है तो इसे ही टिकट दे दिया जाए। मुझे भी इसी तरह मौका मिला था। पार्टी जो टास्क दे उसे पूरा करना चाहिए, इसी तरह सब मिलकर मेंबरशिप अभियान में जोर शोर से जुटें।

संगठन चुनाव के लिए नियुक्त सहायक निर्वाचन अधिकारी कांग्रेस नेता अजय कुमार टुन्ना ने कहा- पार्टी कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं हो रही है। मैं कई जिलों में गया हूं, कार्यकर्ताओं की यह आम शिकायत है कि उनकी सुनवाई नहीं होती, इस वजह से कार्यकर्ताओं में निराशा है और इसका असर मेंबरशिप अभियान पर पड़ा है। कम मेंबरशिप का सबसे बड़ा कारण यही है। मैं पूरे राजस्थान में कार्यकर्ताओं के बीच घूम रहा हूं, हालत खराब है। हम पार्टी प्लेटफॉर्म पर चर्चा कर रहे हैं, इसलिए घर में तो सच ही बोलेंगे।

अजय टुन्ना द्वारा इस तरह कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं होने की बात उठाने पर बैठक में जमकर तालियां बजी। इसके बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मोर्चा संभाला और अजय कुमार के हाथ से माइक लेकर खुद भाषण शुरू कर दिया।

जेपी नड्डा के दौरे पर गहलोत का कटाक्ष: भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के सवाई माधोपुर दौरे को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने करौली और ब्यावर में हुए उपद्रव से जोड़ा है। उन्होंने कहा- ये आग लगाने के लिए आते हैं। पूरे देश में आग लगाते हैं। यहां आए और आग लग गई। गहलोत ने सोमवार को पुलिस आधुनिकीकरण योजना के तहत मोबाइल इंवेस्टिगेशन यूनिट का शासन सचिवालय से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस दौरान पत्रकारों ने नड्डा से जोड़कर सवाल पूछा। जवाब में गहलोत बोले- देश में बहुत खतरनाक दौर रहा है। देश के अंदर हिंदू-मुस्लिम कर दिया।

करौली में शनिवार को, जबकि अजमेर के ब्यावर में रविवार को उपद्रव हुआ था। करौली में हुए उपद्रव में कई दुकानें, गाड़ियां जला दी गई थीं। अगले ही दिन ब्यावर में एक व्यक्ति की भीड़ ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी।

कोऑपरेटिव सोसाइटी के व्यवस्थापक से 10.50 लाख की लूट का खुलासा

निजी संवाददाता

भिवाडी। थाना कोटकासिम क्षेत्र के बघाना गांव में संचालित कोऑपरेटिव सोसाइटी के व्यवस्थापक की कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर 10.50 लाख रुपए की लूट का पुलिस ने खुलासा किया है। थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर लूट की वारदात में शामिल पांच बदमाशों में से तीन बदमाशों प्रवीण उर्फ अलबादी पुत्र राजेश जाट (19) राहुल दूधिया पुत्र रण सिंह जाट (19) एवं सुनील उर्फ नीटा पुत्र सुंदर लाल जाट (25) को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक बाइक, दो देशी कट्टे व दो कारतूस जप्त कर लूटी गई रकम में से 7.75 लाख रुपए बरामद किए हैं। सभी बदमाश बघाना गांव के ही रहने वाले हैं। भिवाड़ी एसपी शांतनु कुमार ने बताया कि 31 मार्च की शाम थाना कोटकासिम क्षेत्र के बघाना गांव में संचालित कोऑपरेटिव सोसाइटी के व्यवस्थापक दयाराम एक बैग में सोसायटी के 10.50-11 लाख रुपए लेकर अपनी कार से घर बिलाहेड़ी जा रहे थे। रास्ते में बाइक पर आए युवकों ने उनकी कार पर फायरिंग कर दी और उनका बैग लूटकर भाग गए। उन्होंने समिति के चेयरमैन अमरनाथ एवं गांव के महेंद्र सिंह को दी। जिन्होंने एसएचओ को घटना के बारे में बताया। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। 1 अप्रेल को परिवादी दयाराम द्वारा रिपोर्ट देने पर थाना कोटकासिम पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। एसपी सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगराम मीणा व सीओ किशनगढ़ बास के सुपर विजन एवं थानाधिकारी कोटकासिम महावीर सिंह एवं डीएसटी प्रभारी लोकेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

केंद्र की तर्ज पर ग्रुप ऑफ सेक्रेटरीज

यह समूह राजस्थान में फ्लैगशिप योजनाओं की मॉनिटरिंग करेगा, मुख्य सचिव इस समूह की अध्यक्षता करेंगी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। केंद्र सरकार की तर्ज पर राजस्थान में ग्रुप ऑफ सेक्रेटरीज बनाए गए हैं। ये समूह राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, केंद्र प्रवर्तित योजनाओं, बजट घोषणाओं, जन घोषणा पत्र, अंतर्विभागीय मुद्दे, तात्कालिक मुद्दों की मॉनिटरिंग करेगा। मुख्य सचिव इस समूह की अध्यक्षता करेंगी। इसके लिए आयोजना विभाग ने सभी सचिवों के 6 समूह बनाए हैं। आयोजना विभाग के सचिव नवीन जैन ने बताया कि ग्रुप ऑफ सेक्रेटरीज का गठन कर दिया गया है और जितने भी इंटर डिपार्टमेंटल इश्यू हैं वे इनकी बैठकों में रखे जाएंगे ताकि त्वरित समाधान मिल सके। समूह को कृषक कल्याण, इंफ्रास्ट्रक्चर, एचआरडी, विलेज डवलपमेंट, सामाजिक क्षेत्र और उद्योग तथा उद्यमिता के क्षेत्र में बांटा गया है।

किस समूह में किन-किन विभागों को शामिल किया गया है, आयोजना विभाग होगा नोडल विभाग

कृषक कल्याण: किसानों से जुड़ी सभी योजनाएं और समस्याओं की मॉनिटरिंग इस ग्रुप में की जाएगी। समूह में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन-गोपालन और सहकारिता विभाग लिए गए हैं। इसके अलावा जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, एमएसएमई और खाद्य आपूर्ति विभाग को इस समूह में विशेष आमंत्रित के रूप में शामिल किया गया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर: प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी और विकास से जुड़ी सभी योजनाओं की बजट घोषणा, फ्लैगशिप योजनाओं की मॉनिटरिंग यह ग्रुप करेगा। समूह में जल संसाधन, ऊर्जा, पीएचईडी, पीडब्लूडी, स्वायत्त शासन, शहरी विकास एवं आवासन विभाग को शामिल किया गया है।

मानव संसाधन: इस समूह में स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल एवं युवा मामलात विभाग को शामिल किया गया है। इसमें कौशल एवं उद्यमिता, टीएडी, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास तथा देवस्थान विभाग को विशेष आमंत्रित सदस्य में रखा गया है।

गांवों का विकास: इस समूह में ग्रामीण विकास, पंचायती राज, मनरेगा, जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण को शामिल किया गया है। कृषि एवं सहकारिता, पीडब्लूडी इसमें विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

सामाजिक क्षेत्र: चिकित्सा व स्वास्थ, चिकित्सा शिक्षा, सामाजिक अधिकारिता, टीएडी, महिला एंव बाल विकास, सैनिक कल्याण, अल्पसंख्यक मामलात और जेल विभाग को शामिल किया है। स्थानीय निकाय ग्रामीण विकास व देवस्थान इसमें विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

उद्योग एवं उद्यमिता: उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल एवं रोजगार, खान एवं पेट्रोलियम, पर्यटन और कला संस्कृति को शामिल किया गया है। इसमें एलएसजी, यूडीएच, राजस्व, श्रम एवं वन पर्यावरण विभाग को विशेष आमंत्रित किया गया है।

बिल पास करने के बदले जेईन ने मांगी रिश्वत

हिलव्यू समाचार

चित्तौड़गढ़। स्कूल में निर्माण कार्यों के बिल पास करने बदले रिश्वत लेते जेईन को पकड़ा। जेईन ठेकेदार से 6 से 7 बार रिश्वत ले चुका था। अब तक करीब 82 हजार रुपए लिए है। एसीबी चित्तौड़गढ़ ने गंगरार क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए जेईन को गिरफ्तार किया। एसीबी उदयपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद गोयल के निर्देश पर चित्तौड़गढ़ एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को गंगरार क्षेत्र में एक कार्रवाई की गई। गंगरार तहसील के श्रेष्ठा गांव के भेरू लाल (52) पुत्र गुलाब रेगर ने चांदखेड़ा रोड निवासी सत्येंद्र सनाढ्य (45) पुत्र बृजमोहन सनाढ्य के खिलाफ शिकायत दी थी। सत्येंद्र सनाढ्य समग्र शिक्षा अभियान गंगरार में जेईन के पद पर कार्यरत है। शिकायत में बताया गया कि भेरू लाल रेगर एक ठेकेदार हैं और उसकी फर्म भैरूलाल मटेरियल सपलाईर्स श्रेष्ठा, गंगरार की ओर से उण्डवा के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में निर्माण कार्य और रिपेयरिंग का काम करना था। यह काम 2018 से चल रहा था। परिवादी ने बताया कि आरोपी सत्येंद्र सनाढ्य ने बिल पास करने के लिए 15 प्रतिशत कमीशन के हिसाब से 1 अप्रैल को रिश्वत राशि की मांग की थी और उसी दिन 1500 रुपए भी ले लिए थे। फिर 7500 की मांग की। परिवादी की शिकायत पर 1 तारीख को ही सत्यापन करवाया गया। आरोपी की बात कॉल रिकॉर्ड की गई। आज मंगलवार को आरोपी ने गंगरार वाले घर पर परिवादी को बुलाया। उस दौरान एसीबी ने कार्रवाई की और आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सत्येंद्र सनाढ्य ने 3 दिन पहले ही साली की शादी के लिए छुट्टियां ली थी। वह 3 दिन से ऑफिस नहीं जा रहा था। परिवादी को भी घर पर बुला लिया।

हर बार मांगता था 15 प्रतिशत: परिवादी भैरूलाल ने बताया कि 2018 में स्कूल में दो कमरे निर्माण, छत निर्माण, रिपेयरिंग और पाइप लगाने के काम शुरू किया गया था। कमरे और छत का काम लगभग हो चुका है। लेकिन रिपेयरिंग का काम बाकी है। जो काम हो चुका है उसके लिए चार लाख 71 हजार रुपए प्राप्त हो चुके हैं। परिवादी ने बताया कि पूरे काम का 7 लाख रुपए मिलना तय था लेकिन जेईन हर बिल को पास करने से पहले 15 प्रतिशत की रिश्वत राशि मांगता है। अभी तक 6 से 7 बार उसे रिश्वत दी जा चुकी है।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया कॉन्फ्रेंस के पोस्टर का विमोचन

नवीनतम इमेजिंग तकनीकों पर चर्चा करेंगे देशभर के रेडियोलॉजी विशेषज्ञ

आईआरआईए के राजस्थान चैप्टर की ओर से आगामी 9 व 10 अप्रैल को होगा मेडिकल कॉन्फ्रेंस का आयोजन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गंभीर बीमारियों को डायग्नोज करने के लिए आ रही इमेजिंग की नवीनतम तकनीकों पर चर्चा करने के लिए जयपुर में देशभर से रेडियोलोजी विशेषज्ञ इकट्ठा होंगे। इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन के राजस्थान चैप्टर की ओर से आगामी 9 व 10 अप्रैल को होटल क्लार्क्स आमेर में दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। कॉन्फ्रेंस के पोस्टर का विमोचन राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया।

आईआरआईए राजस्थान चैप्टर के सेक्रेटरी जीवराज सिंह राठौड़ ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद पहली बार राजस्थान चैप्टर द्वारा मेडिकल कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। कॉन्फ्रेंस में दिल्ली मुंबई इंदौर जोधपुर सहित देश के अन्य शहरों से 300 से अधिक डेलीगेट्स शामिल होंगे। साथ ही देश के प्रसिद्ध रेडियोलॉजी विशेषज्ञ भी उपस्थित होंगे जोकि दुनिया भर में काम ली जा रही इमेजिंग की नवीनतम तकनीकों को साझा करेंगे।राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. सुभाष टेलर ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में देश के नामी रेडियोलॉजी एक्सपर्ट शामिल होंगे जिनमें पीजीआई चंडीगढ़ के डॉ. महेश प्रकाश, आईएलबीएस दिल्ली की डॉ. शालिनी ठाकुर, इंदौर से डॉ. सुधीर गोखले, दिल्ली से डॉ. टीएचएस बेदी, मेदांता हॉस्पिटल की डॉ. अलका अस्मिता सिंघल, मुंबई से डॉक्टर भविन व डॉ. बीजल संकारिया, जोधपुर एम्स से डॉ. विनीत सुरेखा, डॉ. करुणा यादव, डॉ. पवन गर्ग, डॉ. रंगराजन, एसएमएस हॉस्पिटल के डॉ. नरेश मंगल और महात्मा गांधी हॉस्पिटल के डॉक्टर गौरव कांत शर्मा नई तकनीकों के बारे में जानकारी देंगे।

पोस्टर विमोचन के मौके पर सेक्रेटरी डॉ. जीवराज सिंह राठौड़, इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट डॉ. मीनू बगरहट्टा, प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ. नईमा मन्नान, ट्रेजरार डॉ. जय चौधरी, डॉ. हेमंत मिश्रा मौजूद रहे।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

नई समृद्धि, नई मुस्कान
आगे बढ़ता राजस्थान

राजस्थान दिवस हम सबके लिए महान गौरव का क्षण है। यह राजस्थान की वीरता, त्याग, विरासत और संस्कृति का उत्सव है।

राजस्थान दिवस पर मैं प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। हमारी सरकार हर कदम पर आपके साथ है।

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री

सभी प्रदेशवासियों को
राजस्थान दिवस
30 मार्च, 2022
की हार्दिक शुभकामनाएं

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

जयपुर ≫ सोमवार 29 मार्च से गुरूवार 7 अप्रैल, 2022 तक

कर्मआर्टिक संस्था ने किया परम्परागत मेहंदी के प्रमोशन का आयोजन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। काम कोई भी हो भरपूर शिद्दत और ज़िद से किया जाये तो अवश्य सफलता मिलती है। यह उदगार पूर्व भारतीय प्रशासनिक अधिकारी महेंद्र सुराणा ने कर्मआर्टिक संस्था के उदघाटन के अवसर पर राजापार्क स्थित पिंक हैशटैग कैफ़े में प्रकट किये।

राजस्थान की परम्परागत मेहंदी को प्रोमोट करने का बीड़ा उठाने व सामाजिक जागृति उत्पन्न करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने का बीड़ा उठाने वाली संस्था के रंगारंग कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि दूरदर्शन प्रोग्राम प्रोड्यूसर राजकिशोर सक्सेना थे। कार्यक्रम में

शिक्षाविद स्नेहा भारद्वाज, सृष्टि द वुमन्स क्लब की संस्थापक मधु सोनी, स्वास्थ्य व फिटनेस कोच रूचि मलकानी को सम्मानित किया गया। भावना राजेश सोनी, मनीषा वर्मा, ज्योति के आकर्षक नृत्यों से सुसज्जित सन्ध्या में सिद्दीक़ आज़ाद के गीतों सहित कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

कर्मआर्टिक संस्था के जनक प्रिया सोनी व हरि सोनी ने संस्था के उद्देश्यों की जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि संस्था भारतीय ट्रेडिशनल उत्सवों व रीतिरिवाजों पर कार्यक्रम करती रहेगी व महिलाओं को रोज़गार उपलब्ध कराने में अपना योगदान प्रदान करती रहेगी । ग्रामीण विकास सचिव कृष्णाकान्त पाठक ने सपरिवार उपस्थित होकर संस्था की सफलता की कामना की।

कार्यक्रम में दिनेश चौधरी, राजेश भारद्वाज, रिज़वान एजाज़ी वरिष्ठ साहित्यकार, गन्धर्व शेखावत सत्यनारायण सोनी, सुशीला सोनी, प्रज्ञा शर्मा प्रधान, श्रृष्टि महिला क्लब की सदस्याओं सहित बहुत सी महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन टीवी एंकर व नृत्यांगना आयुषी शेखावत ने किया।

रमज़ान विशेष

माह-ए-रमज़ान का अर्थ

धुव गुप्त, पूर्व आईएएस

देश में माह-ए-रमज़ान की शुरुआत हुई है। इस्लामी कैलेंडर का यह सबसे पवित्र महीना क़ुरआन शरीफ के दुनिया में नाजिल होने का महीना है। यह महीना इस्लाम के मानने वालों को ही नहीं, समूची मानव जाति को संयम, प्रेम, करुणा और भाईचारे का संदेश है। माह-ए-रमज़ान में रोज़ा को मुसलमानों के लिए फ़र्ज़ बनाया गया है। मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहेवसल्लम के मुताबिक रोज़ा बन्दों को आत्मनियंत्रण और आत्मसंयम की सीख और दुनियावी आकर्षणों पर नियंत्रण रखने की साधना है। हमारा अस्तित्व जिस्म और रूह दोनों के समन्वय का नतीज़ा है। आम तौर पर हमारा जीवन जिस्मानी ज़रूरतों - भूख, प्यास, सेक्स आदि के इर्द-गिर्द ही घूमता रहता है। जिस रूह को भुलाए रहते हैं, माहे रमज़ान उसे पहचानने, जगाने और महसूस करने का आयोजन है। रोज़े में उपवास और जल-त्याग का मक़सद यह है कि आप दुनिया के भूखे और प्यासे लोगों का दर्द महसूस कर सकें। परहेज़ और ज़कात का अर्थ यह है कि आप अपनी दैनंदिन ज़रूरतों में थोड़ी-बहुत कटौती कर समाज के अभावग्रस्त लोगों की कुछ ज़रूरतें पूरी कर सकें।

रोज़ा सिर्फ मुंह और पेट का ही नहीं होता। आंख, कान, नाक, जुबान का भी होता है। मतलब कि बुरा मत देखो, बुरा मत बोलो, बुरा मत सुनो। रूह की पाकीज़गी की यह ज़रूरी शर्त है! जिसने यह पाकीज़गी हासिल कर ली है उसके लिए ज़नाब सरफ़राज़ शाहिद का यह शेर - 'शाहिद' से कह रहे हो कि रोज़े रखा करे। हर माह जिसका गुज़रा है रमज़ान की तरह! बाकी रोज़ेदारों के लिए रमज़ान अपने भीतर झांककर कर ख़ुद में सुधार का मौक़ा है। दूसरों को नसीहत देने के बजाय हम ख़ुद अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर कर सकें तो इस और उस दुनिया के ज्यादातर मसले ख़ुद-ब-ख़ुद हल हो जाएंगे। हिंसा, नफ़रत, स्वार्थ, भेदभाव, अमानवीयता, अराजकता से भरी आज की दुनिया में रमज़ान के संदेश हमेशा से ज्यादा प्रासंगिक हैं।

तमाम मित्रों को माह-ए-रमज़ान की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, क़ुरआन मफ़ीद की मेरे द्वारा (धुप गुप्त) अनुदित आयत के साथ!

सौगंध सूरज और उसके धूप की
सौगंध सूरज के पीछे आने वाले चांद की
सौगंध उस दिन की
जो सूरज को प्रकट करता है
रात की सौगंध जो सूरज को ढंक लेती है
सौगंध आकाश और उस सत्ता की
जिसने आकाश को स्थापित किया
उस धरती और उस सत्ता की
जिसने नीचे धरती को बिछाया
उस मानवीय आत्मा और उस सत्ता की
जिसने अच्छे-बुरे में फर्क़ करने वाली
तमाम ज्ञानेन्द्रियां
और बुराईयों से बचने की तमीज़ हमें दी
यहां सफलता यक़ीनन उसे ही मिलेगी
जिसने अपनी आत्मा को पवित्र
और विकसित कर लिया
उसका असफल होना निश्चित है जिसने
अपनी अंतरात्मा की आवाज़ दबा दी!
(सूरा अश-शम्स)

नाबालिग बालिका से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर। जिले के नगर कस्बे में एक नाबालिक बालिका से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर नामजद आरोपी सचिन प्रजापति पुत्र मामराज निवासी लड्डू खास की बगीची नई बस्ती थाना कोतवाली जिला अलवर समेत दो अन्य कपिल उर्फ भोला पुत्र भगवान स्वरूप निवासी कस्बा नगर एवं रवि जाटव पुत्र फूल सिंह निवासी तरौंडर थाना नगर को गिरफ्तार किया है।

भरतपुर एसपी श्याम सिंह ने बताया की गत मंगलवार को अलवर निवासी एक नाबालिग बालिका ने सचिन प्रजापति समेत पांच जनों के विरुद्ध कस्बा नगर में सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का एक मामला थाना नगर पर दर्ज कराया था। मामले में आईपीसी की धाराओं, पोक्सो एक्ट एवं sc-st एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

नाबालिग से सामूहिक रेप के मामले की गंभीरता को देख एसपी श्याम सिंह ने आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डीग रघुवीर सिंह के मार्गदर्शन एवं सीओ नगर रोहित मीना के नेतृत्व में टीम गठित की। सीओ रोहित मीना के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी सचिन प्रजापति, कपिल उर्फ भोला एवं रवि जाटव को गिरफ्तार कर लिया। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सभी संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है।

कलमप्रिया के बैनर तले भावजंलि का विमोचन सम्पन्न

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कलमप्रिया लेखिका साहित्य संस्थान के बैनर तले 27 मार्च को संस्थान की सदस्य पवनेश्वरी वर्मा की पुस्तक भावांजलि का लोकार्पण किया गया। कलमप्रिया सदस्य ज्ञानवती सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अखिल शुक्ला जी अध्यक्ष, हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान, राजस्थान ने की। मुख्य अतिथि मंजू शर्मा रहीं। विशिष्ट अतिथि का आतिथ्य रेशमा खान प्रोग्राम अफसर, आकाशवाणी, जयपुर एवं डॉ. संगीता सक्सैना बी.एस.एन.एल. राजभाषा अधिकारी ने स्वीकार किया। कलमप्रिया की अध्यक्षा शशि सक्सैना के सानिध्य में डॉ. रत्ना शर्मा के संयोजन से कार्यक्रम बहुत ही सुन्दर और रोचक रहा। डॉ. अंजू सक्सैना, डॉ. जयश्री शर्मा, डॉ. मनीषा दुबे, हिमाद्रि डोई, रेनू शब्दमुखर, डॉ. सुषमा शर्मा, कल्पना गोयल, रंजना माथुर, शकुंतला शर्मा, कमलेश शर्मा, डॉ. सीताभ शर्मा, डॉ. सीमा सक्सैना, ज्ञानवती सक्सैना आदि का माल्यार्पण करते हुए अभिनन्दन व स्वागत किया गया । शशि सक्सैना ने सभी का आभार अभिव्यक्त किया।

एसएमएस के जरिए परिवादी को एफआईआर की प्रति

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने परिवादियों की सुविधा के लिए एक और नवाचार किया है । इस नवाचार के तहत पुलिस थानों में प्राथमिकी दर्ज कराने वाले परिवादियों को एसएमएस के माध्यम से घर बैठे ही एफआईआर की प्रति उपलब्ध हो सकेगी।

महानिरीक्षक पुलिस एससीआरबी शरत कविराज ने बताया कि एसएमएस के माध्यम से एफआईआर दर्ज होने की सूचना देने के संबंध में पूर्व में ही सुविधा सृजित की गई थी। अब इस सुविधा का विस्तार करते हुए एक लिंक और जोड़ा गया है । इस जोड़े गए लिंक के माध्यम से परिवादी ईसाइन की हुई एफआईआर की प्रति प्राप्त कर सकेंगे। अब एफआईआर पर ईसाइन अनिवार्य कर दिया गया है।

सृष्टि क्लब ने मनाया गणगौर उत्सव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। रंगीले राजस्थान की पहचान और सुहागनों के पावन पर्व गणगौर को बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ सृष्टि द विमन्स क्लब ने एक होटल में मनाया। गणगौर के त्यौहार के साथ साथ क्लब का 7वा स्थापना दिवस भी था। क्लब की संस्थापक मधु सोनी ने बताया कि हर वर्ष 4 अप्रैल को क्लब का स्थापना दिवस मनाया जाता है और संयोग की बात है कि लगातार गत दो साल से स्थापना दिवस के दिन गणगौर पर्व भी आ रहा हैं। क्लब की सभी महिलाओं ने सौलह श्रृंगार कर के ढोल नगाड़ों के साथ ईसर गणगौर का बिंदोरा निकाला और पूजा अर्चना कर अपने सुहाग की मंगल कामना की।

इस अवसर पर क्लब सदस्यों के अलावा अन्य प्रतिभागियों ने डाँस, फैशन शो, मेहंदी कॉम्पिटीशन में भाग लिया और हुनर को सबके सामने प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होटेलियर और समाज सेवी सुनील नाटाणी, विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध समाज सेवी राधेश्याम गुप्ता, फिल्ममेकर संजय सरदाना, राजस्थान सरकार अधिस्वीकृत सम्पादक शालिनी श्रीवास्तव, सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर महावीर सोनी, फ़िल्म मेकर बब्बन राजावत, विद्या हरितवाल डायरेक्टर ऑफ तक्षशिला विद्यालय, पार्षद कृष्णा मीणा एवम म्यूजिकल सफर इंडिया की डायरेक्टर सपना पाठक सहित कई अन्य लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में जज की भूमिका में तुहिना अग्रवाल, ओजस्वी शर्मा और सपना पाठक ने सभी प्रतिभागियों के टैलेंट को परखा और डाँस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर नीलम कछावा, द्वितीय स्थान हेमलता यादव और तृतीय स्थान सुनीता सोनी रहीं।

सृष्टि री गणगौर का ख़िताब खुशबू कछावा के नाम रहा। मंच संचालन सृष्टि क्लब के ब्रांड एंकर कुलदीप गुप्ता ने किया। स्थापना दिवस के अवसर पर क्लब के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को क्लब की संस्थापक मधु सोनी ने सभी को शपथ दिलवाई। क्लब की उपाध्यक्ष कमलेश सोनी ने बताया कि आने वाली युवा पीढ़ी राजस्थान की समृद्ध और भव्य परंपरा एवं संस्कृति से परिचित रहें और सहेज कर रख सकें इसीलिये ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर होता रहता हैं वही क्लब की सलाहकार ब्रजेश पँवार ने कहा महिलाएँ ही समाज ही धुरी होती हैं और महिलाओं की वजह से ही त्यौहारों की धूम रहती है अतः सभी महिलाएँ अपनी अपनी परम्पराओं का पालन करने के साथ साथ मौज मस्ती भी करती हैं तो एक खुशहाल समाज का निर्माण होता हैं। क्लब के ब्रांड कोरियोग्राफर संजीव चौधरी ने अपने मन मोहक अंदाज़ में स्पेशल डाँस परफॉर्मेंस देकर सबका चौका दिया ।

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा के कार्यकाल में मंडल के राजस्व में रिकॉर्ड स्थापित

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल का वित्तीय वर्ष 2021-22 का लेखा-जोखा यूडीएच मंत्री शांति धरिवाल ने जारी किया।

सरकार के मौजूदा कार्यकाल में मंडल का टर्नओवर 6 हजार करोड़ रुपए के पार रहा। विकास एवं आवासन मंत्री शांति धारीवाल ने गत शुक्रवार को अपने निवास पर राजस्थान आवासन मण्डल का वित्तीय वर्ष 2021-22 का लेखा-जोखा जारी किया। धारीवाल ने बताया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में मंडल का टर्नओवर 6 हजार करोड़ रूपये के पार चला गया है, जो कि अब तक का सर्वाधिक है। इस अवसर पर आयुक्त श्री पवन अरोड़ा ने यूडीएच मंत्री को मण्डल का आय-व्यय ब्यौरा सौंपा।

आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि इस 6 हजार करोड़ रूपये में से 4536 करोड़ रूपये की राजस्व प्राप्ति हो गई है और 1600 करोड़ रूपये का राजस्व अर्जित कर लिया गया है लेकिन आगामी समय में यह किश्तों के रूप में मण्डल को प्राप्त होगा। इसमें आवासीय सम्पत्तियों के विक्रय से प्राप्त होने वाला 620 करोड़ रूपये और प्रीमियम सम्पत्तियों के ई-ऑक्शन से प्राप्त होने वाला 980 करोड़ रूपये शामिल है।

नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री श्री शांति धारीवाल ने बताया कि

हमने जब सत्ता संभाली तो मंडल हमें आर्थिक रूप से बदहाल मिला था। सरकार के गठन के समय यानी वित्तीय वर्ष 2018-19 में मंडल का टर्नओवर मात्र 118.58 करोड़ रूपये था। हमने मंडल को रिवायव करने के लिए जो प्रयास किए उनका ही परिणाम है कि साल दर साल न केवल इसका टर्नओवर बढ़ा बल्कि इसके राजस्व में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई। वित्तीय वर्ष 2019-20 में 841.57 करोड़ रूपये, 2020-21 में 2163.65 करोड़ रूपये और 2021-22 में 3012.45 करोड़ रूपये का टर्नओवर रहा। यूडीएच मंत्री और राजस्थान आवासन मंडल के अध्यक्ष श्री शांति धारीवाल ने इसका क्रेडिट आयुक्त श्री पवन अरोड़ा को देते हुए कहा कि इन्होंने जब जून, 2019 में यहां पदभार संभाला तो मात्र 118 करोड़ टर्नओवर था, जो कि उन्होंने 6 हजार करोड़ रूपये के पार पहुंचा दिया है। आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि मंडल में लगभग 1700 करोड़ रूपये के नए निर्माण कार्य प्रारंभ किए गए हैं। मंडल द्वारा लगभग 319 करोड़ की लागत से जयपुर के प्रताप नगर में देश का पहला कोचिंग हब बनाया जा रहा है। जयपुर के मानसरोवर में 70 करोड़ की लागत से सिटी पार्क और इसके सामने 14 करोड़ रूपये की लागत से फाउंटेन स्क्वायर बनाया जा रहा है। लगभग 16 करोड़ रूपये की लागत से जयपुर चौपाटी और मानसरोवर का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि 266.176 करोड़ रूपये की लागत से विधायक आवास परियोजना का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। इसके साथ ही 80 करोड़ रूपये की लागत से कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए जयपुर के प्रताप नगर में लगभग 125 करोड़ रूपये की लागत से एआईएस रेजीडेंसी का निर्माण का करवाया जा रहा है। लगभग 125 करोड़ रूपये की लागत से मुख्यमंत्री शिक्षक एवं प्रहरी आवास योजना का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है। गरीबों को आवास उपलब्ध करवाने के लिए 4 मुख्यमंत्री जन आवास योजनाओं में 207 करोड़ रूपये की लागत से आवास बनवाए जा रहे हैं। इसके साथ ही 18 छोटे शहरों में आवासीय योजनाएं सृजित की जा रही हैं, जिनमें लगभग 338 करोड़ रूपये के निर्माण कार्य चल रहे हैं।

इस अवसर पर सचिव संचिता विश्नोई, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, मुख्य अभियन्ता के.सी. मीणा, अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता संजय पुनियां और अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर उपस्थित थे।

डीएलसी दरें बढ़ते ही घट गया फायदा
100 वर्गमीटर तक के भूखंड पर 13 हजार का फायदा दिया, अब 3750 रुपए कम हो गया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान सरकार ने 36 दिन पहले मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोगों को 100 वर्गमीटर तक के मकान की रजिस्ट्री पर 13 हजार रुपए तक की राहत दी थी। उसे 29 फीसदी तक कम कर दिया है। ये कमी जमीनों की डीएलसी (डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी) प्राइज 5 फीसदी बढ़ने से हुई है। सरकार ने एक अप्रैल से पूरे प्रदेश में डीएलसी की कीमतों में 5 फीसदी का इजाफा किया है। इसके कारण अब रजिस्ट्री करवाना 3750 रुपए तक महंगा हो गया है।

मुख्यमंत्री ने 23 फरवरी को राजस्थान का बजट पेश किया था। इसमें मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोगों के आवास का सपना साकार करने के लिए 100 वर्गगज तक के मकान पर लगने वाली स्टाम्प ड्यूटी को 6 से घटाकर 5 फीसदी करने की घोषणा की थी। इसे 24 फरवरी से लागू कर दिया गया था। 24 फरवरी से 31 मार्च तक प्रदेश में 10 लाख रुपए की कीमत वाले 100 वर्गमीटर के भूखंड पर रजिस्ट्री में 13 हजार रुपए तक का फायदा हो रहा था। अब एक अप्रैल से जैसे ही डीएलसी दरों में इजाफा हुआ, ये फायदा कम होकर अब 9 हजार 250 रुपए रह गया।

छोटे भूखण्डधारियों को फायदा हुआ कम: सांगानेर क्षेत्र में रजिस्ट्री करवाने वाले कंसलटेंट हनुमान सिंह ने बताया कि फरवरी में सरकार ने छोटे भूखंडधारियों को 1 फीसदी स्टाम्प ड्यूटी में छूट देकर जो फायदा पहुंचाया था, वह डीएलसी दर बढ़ने के बाद थोड़ा कम हो गया। 10 लाख रुपए की कीमत वाले 100 वर्गमीटर तक के भूखंड पर लोगों को 3750 रुपए तक ज्यादा रजिस्ट्री शुल्क देना पड़ेगा।

यूं समझें कैसे कम हुआ फायदा

बजट घोषणा से पहले 100 वर्गमीटर का भूखंड जिसकी कीमत 10 लाख रुपए थी उसकी रजिस्ट्री करवाने पर 88 हजार रुपए लगते थे। इसमें 6 फीसदी स्टाम्प ड्यूटी (60 हजार रुपए), 1 फीसदी सरचार्ज (10 हजार रुपए) और स्टाम्प ड्यूटी पर 30 फीसदी सरचार्ज (18 हजार रुपए) शामिल होते थे। बजट घोषणा के बाद 24 फरवरी से 100 वर्गमीटर का भूखंड जिसकी कीमत 10 लाख रुपए थी उसकी पर रजिस्ट्री करवाने पर 75 हजार रुपए लगते थे। इसमें 5 फीसदी स्टाम्प ड्यूटी (50 हजार रुपए), 1 फीसदी सरचार्ज (10 हजार रुपए) और स्टाम्प ड्यूटी पर 30 फीसदी सरचार्ज (15 हजार रुपए) शामिल होते थे। एक अप्रैल से 100 वर्गमीटर का भूखंड जिसकी कीमत डीलसी रेट 5 फीसदी बढ़ने के बाद 10 लाख 50 हजार रुपए हो गई। अब इस भूखण्ड की रजिस्ट्री करवाने पर 78 हजार 750 हजार रुपए लग रहे है। इसमें 5 फीसदी स्टाम्प ड्यूटी (52,500 रुपए), 1 फीसदी सरचार्ज (10,500 रुपए) और स्टाम्प ड्यूटी पर 30 फीसदी सरचार्ज (15,750 रुपए) शामिल होते है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादक: हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**